तत्त्वनिर्णयप्रासाद (श्वे० मुनि विजयानन्द सूरीश्वर आत्माराम) ५७, ३६८, ३६९, ३७२, ३८७
तत्त्वार्थ (तत्त्वार्थसूत्र) १२, ८४, १२४, २२१, २२२
तत्त्वार्थराजवार्तिक (तत्त्वार्थवार्तिक) १२९, २१६
तत्त्वार्थसूत्र (विवेचनसहित—पं० सुखलाल संघवी) २१३, २२२, २२७
तत्त्वार्थसूत्र (बृहत्प्रभाचन्द्र) १०
तत्त्वार्थाधिगमभाष्य (तत्त्वार्थभाष्य) १२४, २३०
तपागच्छपट्टावली ४२७, ४२९
तमिलजैन ४७४
तमिलनाडु (तमिलप्रदेश) ७२, ११०, ४७४
तमिलनाडु में जैन-अभिलेखयुक्त गुफाएँ ४७७
तमिलसाहित्य एवं भाषा के विकास में जैनश्रमणों का योगदान ४७८
तर्कभाषा (केशव मिश्र) १८१, ५८८
ताण्ड्य ब्राह्मण २४८
ताम्रलिप्तिका (गोदासगण की शाखा) ४११, ४७६
तित्थयर (तीर्थंकर) ३१४
तित्थिय (तीर्थिक) ३१७, ३१८
तित्थोगालियपयन्नु (तीर्थोद्गालिक) ४२०, ४६६
तिन्त्रिक (तिन्त्रिणीक) गच्छ ४२९, ४३३, ५६६
तिरूकुरल (तमिलकाव्य, जैनाचार्यकृत) ४७८
तिलोयपण्णत्ती (त्रिलोकप्रज्ञप्ति) १०, ३३१
तीर्थंकर महावीर और उनकी आचार्यपरम्परा ६५, १३७, २४९, ५८२
तीर्थंकरलिंग ६
तुंगिया नगरी ४१७, ४१८
तुंगीयायन-गोत्रीय आर्य यशोभद्र ४७६
तुरीयातीत संन्यासी २७९
तुरीयातीतोपनिषद् २७९
तैत्तिरीय आरण्यक २४९
तैत्तिरीयसंहिता २४८
त्रिपिटक (बौद्धसाहित्य) ३११
त्रिशला ३७५
त्रिषष्टिशलाकापुरुष-चरित : (हेमचन्द्र) ३७३, ३७५
त्रैराशिक (एक दार्शनिक सम्प्रदाय) २०, ३०१–३०४
थेरी अपदान (बौद्धकथा ग्रन्थ) ३१३
थेरीगाथा ३४८
थेरीगाथा-अट्ठकथा ३४६

द

दंसणपाहुड (दर्शनप्राभृत) ७६
— श्रुतसागरटीका ७६, ४१६, ४३३, ४८६
दक्षिण (दक्षिणापथ) ७६
दक्षिण का अचेल निर्ग्रन्थसंघ भद्रबाहु (श्रुतकेवली) की परम्परा से विकसित ११०, ४७६, ५५७, ५५८
दक्षिण-प्रस्थित निर्ग्रन्थसंघ ४७४
दक्षिण भारत में जैनधर्म (पं० कैलाशचन्द्र शास्त्री) ७१
दक्षिणभारतीय निर्ग्रन्थसंघ ८१, ८२, ५७१
दक्षिण बिहार ४७४
दडग (मैसूर)-अभिलेख ५६६
दरबारीलाल कोठिया, न्यायाचार्य (पं०) ५८७

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक टस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

धर्मलाभ हो (आशीर्वचन—श्वेताम्बर, यापनीय) ४९, ५०, ४९३, ५७२
धर्मवृद्धि हो (आशीर्वाद—दिगम्बर) ४९, ५०, २५८, २५९, ४९३, ५७२
धर्मशाट-प्रतिच्छन्न (धर्मवस्त्र से आच्छादित = नग्न) ३३९
धर्मसंग्रहणीसूत्र (श्वे०) ३६१
— वृत्ति ८८, ३६१
धर्मसागर उपाध्याय (प्रवचनपरीक्षा-कार, श्वे०) ६, ३९३

न

नक्षत्र (एकादशांगधारी) १३२
नगराज डी० लिट्०, श्वेताम्बरमुनि १०४, १७३, ३४५, ३४६, ३४९, ३५०, ४४७
नग्गसमणक (नग्नश्रमणक) ३४०
नग्गिकपटिक्खेपकथा (महावग्ग-पालि) ३१७
नग्न (दिगम्बरमुनि) २६१, २६२, २६७, २७१, २८५, २९०
नग्नक (दिगम्बरमुनि) २५८, ३३९
नग्न क्षपण (नग्गखवणो) १८, ५३
नग्नक्षपणक २५१, २५४, २५६, २५७, २५९, २८२
नग्न जिनप्रतिमा ३८६, ४३१, ४३२
नग्नाट २९८
नग्नाटक १९, २८२
नथमल टाँटिया, डॉ० ५८२
नन्दगोप ३७४
नन्दराज (नन्दिवर्द्धन) ४०५
नन्दवत्स (नन्दो वच्छो) ३२६, ३२७
नन्दवंश ४०६
नन्दिमित्र (श्रुतकेवली) १३२, ४४७
नयनार (तमिलजैन) ४७४
नरेन्द्रसागर सूरि (श्वे० आचार्य) १२८
नागरी प्रचारिणी (पत्रिका) ५१८
नाग्न्यपरीषह १३०
नाग्न्यपरीषहजय ७, ९९
नाग्न्यलिंग ४९, ५७२
नाग्न्यव्रत ५४
नाटकसमयसार १३७
नाथूराम प्रेमी, पं० १०, ५५, ५१२
नाभि (ती० ऋषभदेव के पिता) २४१, २६२–२६४
नारदपरिव्राजकोपनिषद् २७९, २८०
नारायण (त्रिखण्डचक्रवर्ती) ३७४
नारिकेलमय पानपात्र (कमण्डलु) २८५
नारीमुक्ति ३६४
निगंठ (निगण्ठ) ६५, १४०, ३११, ३१६, ३२२, ३३०, ३३१, ३३४, ३४० (निगण्ठ = नग्गसमण), ३४८, ३५०
निगण्ठनाटपुत्त, निगण्ठनातपुत्त ३१०, ३१२, ३१४, ३१५, ३३०, ३३१, ३३३, ३३७, ४४९
निगण्ठपुत्तसच्चक, सच्चकनिगण्ठो (निर्ग्रन्थ-सम्प्रदाय का सच्चक नामक श्रावक) ३२५–३२७, ३२९–३३४
निगण्ठवत्थु-अट्ठकथा (धम्मपद-अट्ठकथा) ३४२, ३४५
निगण्ठसुत्त (अंगुत्तरनिकाय) ३११
निघण्टु २५०
निमित्तज्ञान ४५७
निरुक्त २५०

निर्ग्रन्थ (नग्न) ७, १८, ६५, १०७, ११५, १३८–१४०, १४३, १४४, २६१, २७१, २७३, २८३, २८७, २९०, ३३९, ३५२ (वसनसंयम-खेदमुक्तः)
निर्ग्रन्थपुत्र सच्चक ३२५–३२७
निर्ग्रन्थमहाश्रमणसंघ ६४, १०७, ११४, ५५९
निर्ग्रन्थरूपता ४५५
निर्ग्रन्थशासन ४६८
निर्ग्रन्थश्रमणाचार्य (गुहनन्दी) ६५, १४२
निर्ग्रन्थ (दिगम्बर) संघ, सम्प्रदाय, परम्परा ८, ६४, ८४, १४४, १५०, १५१, ३३१, ४३५, ४३६, ४४६, ४७२, ५६८, ५७१, ५७३
निशीथचूर्णी ४२७
निशीथभाष्य (विसाहगणि-महत्तर) ४२७
निश्छिद्रपाणिपात्र (तीर्थंकर) ३६१
निषीदि ५१७
निष्कच्छ (दिगम्बरमुनि) २६१
निष्परिग्रह ३८, ३९, २७७
निह्नव ४६–४८, ५७
निह्नवमत ६, १२०
नीतिसार (इन्द्रनन्दी) ४८७
नेमिनाथचरित्र ३७५
नेमिचन्द्र (डॉ०, ज्योतिषाचार्य) ५८२
नेमिनाथचरित्र (श्वे० ग्रन्थ) ३७५
नेमिनाहचरिउ (हरिभद्रसूरि) ३७५
नैगमेय (देव) ३७३
नैगमेश (देव) ३७३, ३७५
नैगमेशिन ३७३
नैषेधिकी, नैषीधिका ५१९, ५२३
नोणमंगल-ताम्रपत्रलेख ८, ३८९, ४३४, ५५५
न्यायकुसुमाञ्जलि २९२
न्यायदीपिका ५८८
न्यायमञ्जरी २९२
न्यायावतारवार्तिकवृत्ति—प्रस्तावना (पं० दलसुख मालवणिया) ३२

प

पउमचरिउ (स्वयम्भू) १०
पउमचरिय (विमलसूरि) २९७
पकुध कच्चायन (प्रक्रुध कात्यायन) ३१४, ३१५, ३३३
पञ्च जैनाभास ३८६, ४३३, ४८७
पञ्चतन्त्र १८, २५८, २६०
पञ्चमवर्णी (तमिलजैन) ४७४
पञ्चस्तूपनिकाय (काशिक) ६५, १४२
पञ्चाशक १९, ८४, १६०
पञ्चास्तिकाय ९
— प्रस्तावना (अँग्रेजी—ए० चक्रवर्ती) ७०
पट्टावलीपराग ३७०
पद्मनन्दी (बलात्कारगणाग्रणी भट्टारक) ३६६
पद्मपुराण, पद्मचरित (रविषेण) १०, २८९
पद्ममहापुराण (वैदिक) २५४, २८३–२८७
पद्मावतीदेवी ४२८
परतीर्थिक अन्यतीर्थिक, परशासन, अन्य-लिंगी-मुक्तिनिषेध ३८
परमहंस (भिक्षु, संन्यासी) २७६, २७८, २७९
परमहंसोपनिषद् २७९
परमहंसपरिव्राजकोपनिषद् २८०

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

परमात्मप्रकाश २५३
परलोक ३१६
परिग्रह १३९
परिव्राजक ३१४, ३२२, ३४७
परिशिष्टपर्व (हेमचन्द्रसूरि) ४६५, ४६६
पल्लवचिंध (पल्लवचिह्न) ३६४, ३६५
पल्लवाङ्कन (अञ्चलचिह्न) ३६४
पहलवी (प्राचीन फारसी) २५८
पहाड़पुर-ताम्रपत्रलेख १४२
पाटलिपुत्र-आगमवाचना (श्वे०) ४२०, ४६५, ४६६, ४६९
पाणिपात्र २६, ४९, २८३, ४७५, ५७२
पाण्डुरङ्गभिक्षु ५६, ३०४, ३०६
पाण्डुरभिक्षु २८२
पातञ्जल योगदर्शन २७८
पात्रकेसरिका २६
पात्रकेसरी स्तोत्र २३४
पात्रकेसरी स्वामी (पात्रस्वामी) २३४
पात्रनिर्योग २४, २६, ८७, ८८
पापज्ञापक ५१८, ५१९
पारमहंस्यधर्म २७६, २७७
पार्श्वनाथ ८४
पार्श्वनाथचरित-पंजिका (शुभचन्द्र) ५७५
पार्श्वापत्य ११०, ४७५
पालि-त्रिपिटक ३४५
पालिसाहित्य का इतिहास ३१३
पालि-हिन्दी कोश ३२४, ३२७
पाल्यकीर्ति शाकटायन ४८५, ४८६, ५६०, ५७५, ५८९
पाषण्ड २८७
पाषण्डधर्म (वेदविरुद्धधर्म) २९९
पाषण्डी १४४
पाषाणघटिता सरस्वती ३६६
पासादिकसुत्त (दीघनिकायपाळि, भाग ३) ३१२, ३२५, ३३०, ३३७
पिटक साहित्य (बौद्ध) ४७५
पिण्डनिर्युक्ति—मलयगिरिवृत्ति २१४, २१५
पी० बी० देसाई, डॉ० ५०५
पी० आर० देशमुख ३९८
पुण्यविजय (श्वे० मुनि) ५१८, ५१९, ५२१, ५२२, ५२३, ५५४
पुन्नागवृक्षमूलगण ४९२, ५६५, ५७०
पुन्नागवृक्षमूलसंघ ४९२
पुन्नार नगर (दक्षिणापथ) ४५३
पुरले-अभिलेख ५६६
पुष्पदन्त (एकांगधारी) १३२
पुस्तकगच्छ ५६६
पूजाद्रव्य (गन्धमाल्यसुमनोदीप) १४२
पूज्यपाद (देवनन्दी) ३०, ३१, ५५, ६५, १३२
पूरण कस्सप (काश्यप, अक्रियावादी) ३१६, ३२०, ३२४
पेब्बोलल् ग्राम ३८९, ५५५
पौण्ड्रवर्धनिका (गोदासगण की शाखा) ४११, ४७६
प्रज्ञापनासूत्र, पण्णवणासुत्त, पन्नवणासुत्त (श्वे० ग्रन्थ) ५८५
प्रतिक्रमणग्रन्थत्रयी १०
प्रतिग्रहधर (पात्रधारी) २६
प्रतिमा (= नग्नता) १७८

प्रतिमाविवाद (दिगम्बर-श्वे०) ३६४-३६६
प्रतिलेखन, प्रतिलेखना (पिच्छी) ४८२
प्रथमोत्कृष्ट श्रावक, द्वितीयोत्कृष्ट श्रावक (क्षुल्लक, एलक) २८९
प्रबोधचन्द्रोदय (नाटक) २५४, २९३
प्रभव स्वामी (श्वे० श्रुतकेवली) १७२, ४४७, ४५१
प्रमाणसागर (मुनि) ३९६-३९८
प्रवचनखिंसा ३६०
प्रवचनपरीक्षा (स्वोपज्ञवृत्तिसहित) ६, ३६, ४२, ५३, ५४, ८६-९३, ९५, ९९, १०३, १२६, १२७, १८९, २०१, २०२, २१२, २१७, २२८, २३०, २३४, २५३, २५४, ३११, ३६४-३६६, ३८७, ३९३, ४९६
प्रवचनसार ९, ३७, १४०, २२०
— तात्पर्यवृत्ति (आचार्य जयसेन) १९७
— प्रस्तावना (अँगरेजी—डॉ० ए० एन० उपाध्ये) ६२
प्रवचनोड्डाह ३६०
प्रशमरतिप्रकरण (उमास्वाति, श्वे०) २३१
प्रश्नोपनिषद् २४९
— शांकरभाष्य २४९
प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास (डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री) ५८२-५८४
प्राकृत भाषाओं का व्याकरण (डॉ० रिचार्ड पिशल) २५४
प्राकृत विद्या (पत्रिका, जनवरी-मार्च १९९६) ५८२
प्राकृत साहित्य का इतिहास (डॉ० जगदीशचन्द्र जैन) २०, ३६०
प्राचीन भारतीय संस्कृति (बी० एन० लूनिया) २५२
प्राणनाथ विद्यालंकार (प्रो०) ३९६
प्रातिहार्यसूत्रकथा (दिव्यावदान) ३३८
प्रियव्रत २६३-२६५
प्रिंस आफ वेल्स संग्रहालय मुंबई ४१०

फ

एफ० बी० कावेल (Cowell) ३३८
फल्गुमित्र, फग्गुमित्त (श्वेताम्बराचार्य) ५८०
फूहरर (Dr. Fuhrer) ३७३, ३७५
फ्लीट (डॉ०) ७२

ब

बंगाल ४७४
बनारसीदास (पं० कवि) १३७
बम्मगवुड (आर्यिका रात्रिमति-कन्ति की शिष्या) ५०६
बर्हिपिच्छधर २६२, २६७
बलदेव उपाध्याय (डॉ०) २५०, २५१, २६०, २७१
बलिस्सह (श्वे० आचार्य) ९७
बल्लालदेव ५०६
बहूदक संन्यासी २७९
बादामी की बाहुबली-प्रतिमा ४१२
बाहुबलि की प्रतिमाएँ ४१२
बी० एच० हॉजसन (Hodgson) ३३८,
बी० एन० लूनिया २५२
बीभत्सदर्शन (दिगम्बरमुनि) २६९, २७०
बुट्टराज, बुट्टराय (राजा) ५२८
बुद्धघोष (धम्मपद-अट्ठकथाकार) ३४०
बुरजोई (संस्कृत के ज्ञाता हकीम) २५८

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

वाचना, ९-१० पूर्वों की वाचना पाटलिपुत्र में), ४४७ (श्वे० परम्परा में भी श्रुत-केवली के रूप में मान्य), ४५१, ४५२, ४५९, ४६५, ४६७-४७१, ४७४, ४७७, ५७०, ५७३
भद्राचार्य (दिगम्बर जैनमुनि) ४५३-४५५
भद्रिलपुर ३७४, ३७६
भरत (ऋषभपुत्र, चक्रवर्ती) २६२, २६४
भरतसिंह उपाध्याय ३१३
भर्तृहरि-वैराग्यशतक २८३
भागवत पुराण २४१, २४२, २४४, २४९, २५१, २६३, २६५, २७३-२७७, २८१
भाण्डिक चेष्टा (अश्लील चेष्टा) ९०, १८९
भाद्रपददेश ४५३
भानुचन्द्र (श्वे० आचार्य) १३७
भायाणी एच० सी० डॉ० (देखिये, 'ह' वर्ण)
भारत, भारतवर्ष २६५, २९०
भारतीय इतिहास : एक दृष्टि ३७८
भारतीय पुरालेखों का अध्ययन (डॉ० शिवरूप सहाय) ३३७
भारतीय संस्कृति का विकास (वैदिक धारा—डॉ० मंगलदेव शास्त्री) ३९६
भारतीय संस्कृति में जैनधर्म का योगदान : (डॉ० हीरालाल जैन) २४१, २४७, ४०४, ४११, ४१२, ४१५, ५८५
भावना (आचारांग का २४वाँ अध्ययन) १५७
भावनाद्वात्रिंशतिका (आ० अमितगति) २२०
भावसंग्रह (प्राकृत—देवसेन) ४५७
भावसंग्रह (वामदेव) ८५
भास (नाटककार) २६०
भिक्खुराय (खारवेल की उपाधि) ४२४, ५२९
भिक्षुकोपनिषद् २७७
भिल्लकसंघ ५१३
भीषण दुष्काल (श्वे०) ४२१
भीषण दुष्काल में कण्ठस्थ पाठों का विस्मरण ४२१
भीषण दुष्काल में शास्त्रों का अनभ्यास ४२१
भूतबलि ६५, १३२,

म

एम० ए० ढाकी (प्रोफेसर) ९
एम० डी० वसन्तराज (डॉ०) १३६
एम० एल० जैन (जस्टिस) १६६
एम० एल० शर्मा डॉ० (भारत में संस्कृति और धर्म) ३९७
मक्खलि गोसाल (मक्खलिपुत्र गोशाल, अहेतुवादी) ३०५-३०७, ३१४-३१६, ३२२, ३२६, ३२७, ३३३
मङ्गलदेव शास्त्री (डॉ०) ३९६
मज्झिमनिकायपाळि २४२, ३१०, ३२६, ३२८, ३३२, ३३३, ४४९
मत्स्यपुराण २६१, २६२
मथुरा ४८०
मथुरा का कुषाणकालीन शिल्प ३७३
मथुरा की नैगमेश-मूर्तियाँ ३७३
मथुरा की प्राचीन जिनप्रतिमाएँ ३६९, ३७१, ४११
मथुरा-शिलालेख १४८
मनु (स्वायम्भुव, चाक्षुष, वैवस्वत) २८३, २८४
मनुस्मृति २४८, २६५

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक टस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

मम्मट (काव्यप्रकाशकार) १९३, १९५
मयूरपिच्छधारी १९, २८२
मलधारी (दिगम्बरमुनि) २९८
महागिरि (आचार्य) ९६, ९७, १३३
महानन्दिन् राजा ४०६
महापरिनिब्बानसुत्त (दीघनिकायपालि, भा.२) ३१४
महाप्राणध्यान : ४२१, ४७१, ४७२
महाभारत १८, २५१, २५२, २५६, २५७
महामेघवाहन खारवेल (जैन राजा) ४०५, ४२२, ५२९, ५३६, ५३७
महायोगी भरत २८१
महाराज खारवेल (लेख : बाबू छोटेलाल जैन : 'अनेकान्त'/वर्ष १/किरण ५) ४०८
महावंश (बौद्धग्रन्थ) ७२
महावग्गपालि (बौद्धग्रन्थ) ७२, ३१८ (नग्गिकपटिक्खेपकथा), ३१८, ५००
महावीर (तीर्थंकर) ८०, ८४, ३१७, ३३१
महावीर-गर्भपरिवर्तन ३७३, ३७५, ४५८
महासच्चकसुत्त (मज्झिमनिकाय, भाग १) ३१०, ३२६, ३३०, ३३३
महासीहनादसुत्त (दीघनिकायपालि, भाग १) ३२८
महासीहनादसुत्त (मज्झिमनिकायपालि, भाग १) ३२८
माघनन्दी (आचार्य, एकांगधारी) १३२
माघनन्दी प्रथम (इण्डि. ऐण्टि. पट्टावली) ४
माथुरसंघ ७८, ४३४, ५१३, ५७२
माथुरी वाचना ४६८, ५७६, ५८०, ५८१
माधववर्मा (महाधिराज) ५५५
मानवभोज्यमीमांसा (मुनि कल्याणविजय) ३५१
मायामोह २६७-२६९
मायूरपिच्छिका ४९, ५७२
मालवदेश ४५९
मावलि (मैसूर)-अभिलेख ५६६
माविनकेरे (मैसूर)-अभिलेख ५६६
मुकुलभट्ट (मीमांसक) १९३
मुखवस्त्रिका १७, ८६-८८, ३८३, ४७५
मुद्राराक्षस (नाटक) २६९, ४०८
मुलगुन्द (मैसूर) शिलालेख ४६७
मूर्तिपूजा (श्वे०) ४१६
मूर्तिविधान (दिगम्बरीय) ३७२
मूलगुण ५५६, ५५७, ५५८
मूलमुख्यार्थ १९०
मूलसंघ ८, ४९, ७७, ७८, ३८९, ४२९, ४३३-४३६, ४४६, ४७०, ४९२, ५५६, ५५७, ५५८, ५६५-५७२
मूलसंघ-पुन्नागवृक्षमूलगण ५०६, ५६४
मूलसंघान्वय-क्राणूरगण ४६३
मूलाचार १०, १३९, ४७६
मृगेशवर्मा (कदम्बवंश) ६४, १४१, ३५२, ५१४
मृदुकोत्तरदेश ३८९
मेगस्थनीज ७१
मेदिनीकोश २५४
मेरुदेवी २४१, २६२, २६४
मेषपाषाणगच्छ (कुन्दकुन्दान्वय) ५६६
मोक्खपाहुड २१०

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक टस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

मोनियर मोनियर विलिअम्स संस्कृत-इंग्लिश डिक्शनरी २५४, ५०२
मोहनलाल मेहता, डॉ० ५१५
मोहेन-जो-दड़ो १८, ३९४, ४००, ४०३, ४०५
मोहेन-जो-दड़ो की जिनप्रतिमाएँ ३९४
मोहेन-जो-दड़ो : जैन परम्परा और प्रमाण (एलाचार्य मुनि विद्यानन्द) ३९५
मौर्टिमर ह्वीलर (सर) ४००

य

यक्षा, यक्षदिन्ना (स्थूलभद्र की बहिनें) ४२१
यजुर्वेद ४०१
यतिवृषभ (आचार्य) १३२
यथाजातरूपधर १३९, १४०, २७७
यशोभद्र (दि० मुनि) ६५
यशोभद्र (श्वे० श्रुतकेवली) ४४७
यशोभद्र श्रेष्ठी ४६०
यापञवक, यापञावक (यापज्ञापक) ५१७-५१९, ५२१, ५२२, ५५४
Yāpan-Saṅgha (यापनीयसंघ) ५१७
यापनीय (सुखमय स्थिति—बौद्धसाहित्य) ५०१
यापनीय (स्वशक्त्यनुरूप प्रवृत्ति—श्वे० साहित्य) ५०२
यापनीय (व्युत्पत्ति) ५०२
यापनीय (मत, मुनि, आचार्य, संघ, सम्प्रदाय, परम्परा) ४, ५, ११, १८, ४९, ६३, ७६, ७७, ७९, १०७, १०९, ११४, ११६, १४१, ३५२, ३५३, ३९०, ४१६, ४१७, ४२८, ४२९, ४३२-४३४, ४४५, ४७०-४७२, ४८५, ४८७-४८९, ४९२, ४९३, ५००, ५०२, ५०६, ५०८, ५१२, ५१५, ५१८, ५५६, ५५७, ५५८, ५६०, ५६३-५६५, ५६९-५७२, ५७४-५७७, ५८१-५८६
यापनीय और उनका साहित्य (श्रीमती डॉ० कुसुम पटोरिया) ५८७
यापनीयग्रन्थ ५८८, ५८९
यापनीयग्रन्थ के लक्षण ५८८-५९०
यापनीयतन्त्र (यापनीय सम्प्रदाय का प्रमुख ग्रन्थ) ४८, ४८५, ४८७, ५७५
यापनीय-नन्दिसंघ-पुन्नागवृक्षमूलगण ५६३, ५६५
यापनीय-यतिग्रामाग्रणी (उपाधि) ५६०
यापनीयसंघ की विशेषताएँ (लक्षण) ४८५-४८८
यापनीयसंघ-पुन्नागवृक्षमूलगण ५६४-५६६
यापनीयसंघ सचेलाचेलमार्गी
— स्त्रीमुक्ति, परतीर्थिक-सग्रन्थ-मुक्ति मान्य ४८६, ५७२
— स्थविरकल्पिक-मुक्ति मान्य ४८७
यापनीय साहित्य ५७४
यापुजवक ५२४
यास्क (महर्षि) २५०
युग (हिन्दूपुराणानुसार—सत् या कृत युग, त्रेता, द्वापर, कलि युग, इनका काल-प्रमाण) २५६, २५७
यूअनच्वांग (यात्री) ४०१
यू० पी० शाह, डॉ० ४०४, ४०९, ४१५
योगमुद्रा ३९४, ३९५
योगेश्वर ऋषभ २८१

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक टस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

र

आर० ए० नील (Neil) ३३८
आर० सी० हाजरा २७३
आर० नरसिंहाचार्य (महामहोपाध्याय) ७१
रक्तपट, रक्ताम्बरधृक् (बौद्धसाधु) २६१, २६८, २७३
रजोहरण १७, २४, ८६, ८८, ३८२
रजोहरणधारी २९८
रढवग्-अभिलेख ५६४
रतनचन्द्र जैन (प्रो०, डॉ०) ३८६
रत्नकरण्डश्रावकाचार २८९
रत्नत्रयदेव-अभिषेक-अंगभोग-रंगभोग ४२९
रत्नत्रयदेव-प्रतिमापूजा (दिगम्बर) ४२९, ४३३
रत्नत्रयदेवबसदि (दिगम्बर) ४२८, ४३३
रत्नत्रयपूजा (यापनीय) ४१६, ४३३
रत्नत्रयबसदि-बीलिंग-अभिलेख ४३३
रत्ननन्दी (भद्रबाहुचरितकार) ४६५, ४८५
रथवीरपुर (रहवीरपुर) २१, २२
राचमल्ल, राजमल्ल (गंगवंशी नरेश, इनके महामंत्री चामुण्डराय थे) ४१२
राजमल्ल, पं० (लाटीसंहिताकार) २८९
राधाकुमुद मुकर्जी (डॉ०) ३९५
राधावल्लभ त्रिपाठी (डॉ०) २५८, २६०, २६२, २६९, २७३
रामचन्द्र तिवारी (डॉ०) २६१
रामधारीसिंह दिनकर ('संस्कृति के चार अध्याय' के लेखक) २९३, ३९६
रामप्रसाद चन्दा रायहादुर (प्रो०) ३९४, ३९५
रामायण (वाल्मीकि) २५०
रामायण-भूषणटीका २५०
रामिल्ल (दि० जैन मुनि) ४५३, ४५४, ४५५, ४६९
रिचार्ड पिशल (डॉ०) २५४
रुद्र ४०१
रुद्रसंहिता २५४
रूढार्थ १९०
रूढमुख्यार्थ १९०, १९१

ल

लज्जनीयावयवगोपन ३६१
लटकमेलक (नाटक) २५४
लघुजातक २७२
ललितविस्तरा (हरिभद्रसूरि) ४९, ३५२, ४८५, ४८८, ५११, ५७५
लाटदेश (सौराष्ट्र) ४५६
लाटी संहिता (पं० राजमल्ल) २८९
लिङ्गपुराण (वैदिक) १३२, २६५
लिच्छवी ३३४, ३३५
लूईस राईस ७१
लूनकेसी (लुञ्चितकेसा) ३४८
लोकतत्त्वनिर्णय १८५
लोकरूढि १९९
लोकानुवृत्तिधर्म १८९, ३६०
लोकायतिक २८२
लोहानीपुर (पटना, बिहार) १८, ३९८, ४३१
लोहानीपुर-जिनप्रतिमा ४०४, ४०५, ४०८, ४०९, ४१०, ४११, ४३१

व

वज्र (आर्य वज्र—श्वे० मुनि) १३३
वज्रमुनि (दिगम्बर) १३३-१३६
वज्रयश (आचार्य) १३३

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक टस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

वज्रवृषभनाराचसंहननधारी १००
वज्रसूची उपनिषद् २५१
वज्रसूरि (आचार्य) १३३
वटगोहाली (स्थान) ६५, १४२
वट्टकेर (आचार्य) १३२
वड्डाराधने (कन्नड़ ग्रन्थ) ५१०
वप्रवाद (राजा) ४५६
वरांगचरित (जटासिंहनन्दी) १०
वराहमिहिर (ज्योतिर्विद) १९
वराहमिहि-बृहत्संहिता २७१
वर्धमानसागर (आचार्य) १३३
वलभी (वलभी) नगर ४५७, ४५८, ४६०, ४६३
वल्लभी (वलभी, सौराष्ट्र) वाचना १२, ५७६
वसुदेव (कृष्ण के पिता) ३७४
वसुनन्दी-श्रावकाचार २८८
वसुन्तवाटकग्राम ३८९
वस्त्रलब्धि (ऋद्धि) ६, ७, ९९, १००, १०३
वस्त्रलब्धिमान् जिनकल्पिक (श्वे० साधु) १७, ९९
वाणारसीविलास ३८७
वातरशन मुनि १८, २४०, २४३, २४९, २५०, २७३
वातवसन श्रमण २५०
वात्सीपुत्रीय भिक्षु (बौद्ध) ४७५
वादिदेवसूरि ३१२
वायुपुराण २७१
वारिषेणाचार्यसंघ (कूर्च्चक सम्प्रदाय) ३९०
वालभी पट्टावली ९७
वासुदेवशरण अग्रवाल (डॉ०) ३८०, ४०८, ४१०
विक्रमसंवत् ५१२, ५१३
विजयानन्द सूरीश्वर 'आत्माराम' (श्वे० आचार्य) २५७, ३६८
विजहना ३३९
विद्याधर जोहरापुरकर (देखिये 'जोहरापुरकर')
विद्यानन्द मुनि, एलाचार्य, आचार्य (वर्तमान) १३३, ३७६, ३९५
विद्यासागर आचार्य (मूकमाटी-महाकाव्यकार) १३३
विद्वज्जनबोधक ३८७
विधिमार्गप्रपा (श्वे० साध्वी सौम्यगुणाश्री) २६
विनयपिटक ३१८
विमलसागर आचार्य १३२
विमलसूरि (श्वे० आचार्य) २९७
विमुक्तवसन (दिगम्बरमुनि) २९३
विवादपूर्व जिनप्रतिमारूप (न नग्न, न पल्लवयुक्त) ३६४, ३६५, ३६६
विशाखाचार्य (दशपूर्वियों में प्रथम—चन्द्रगुप्त मौर्य) १३२, ४५३, ४५४
विशाखाचार्य (चन्द्रगुप्त से भिन्न) ४५९, ४६०
विशालमति (आर्यिका) १३७
विशेषावश्यकभाष्य १७, १८, २०, २२, २३, ४०, ९५, १२६, १५६, १७५, २०३-२०७, २०९, २२६, २२८, ३६८, ४४७, ४४८
— हेमचन्द्रवृत्ति १७, १८, २३-२५,

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक टस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

३६–३९, ४४, ४६, ४७, ५०–५२, ६०, ८६, ९०–९२, ९५, ९९, ११८–१२१, १२५–१२७, १६९, १७५–१७७, २०१–२०४, २०६, २०७, २०९, २१७, २२४, २३०, २३३, २५३
विशुद्धानन्द पाठक (भारतीय इतिहास और संस्कृति) ३९७
विश्वम्भरसहाय प्रेमी (हिमालय में भारतीय संस्कृति) ३९७
विष्णु (श्रुतकेवली) १३२, ४४७
विष्णुपुराण २६२, २६९, २८४
विष्णुसहस्रनाम २५१
विसाखावत्थुकथा, विशाखा ३१०, ३४०, ३४१, ३५२
वीरनिर्वाण संवत् ८०, ८१
वीरसागर आचार्य १३२
वृद्धश्रावक (एलक-क्षुल्लक) २८७
वृषभ २४०, २४५, २४६, ३९८, ४०१
वृहस्पतिमित्र (पुष्यमित्र) राजा ४०५, ४०६
वेणूर–बाहुबलिप्रतिमा ४१२
वेदव्यास २५७
वेन (राजा) २८३–२८७
वैदिकदर्शन २४०
वैदिकधारा-श्रमणधारा ३९६
वैदिक माइथॉलॉजी (मैक्डॉनल) २४७, ४०३
वैदिक साहित्य २३९
वैदिक साहित्य और इतिहास (बलदेव उपाध्याय) २५०–२५२
वैराग्यशतक (भर्तृहरि) २८३
वैराग्यसंन्यासी २७८
वैशाली ३३४, ३३५
व्याख्याप्रज्ञप्ति (भगवतीसूत्र) ९३, ४१७
व्रात्य २४८, २४९
व्रात्यस्तोमविधि २४८

श

शय्यम्भव (श्वे. श्रुतकेवली) १७२, ४४७, ४५१
शाकटायन (पाल्यकीर्ति) (देखिये, 'पाल्य-कीर्ति')
शाकटायन सूत्र (व्याकरण) ५७५
शान्तिसागर (आचार्य) १३२
शान्त्याचार्य ११५, ४५७–४५९
शार्पोटियर (डॉ०) ४६८
शिक्य (झोली) २७७
शिखिपत्रमार्जनी (मयूरपिच्छी) २८५
शिवकुमारमहाराज (मुनि) ९
शिवभूति (बोटिक) ३, ४, २०, ३२, ३५–४५, ५७, ७३, ७४, ११७, ११८, ४७१, ४७७, ४८८, ५०३
शिवमहापुराण २९७–२९९
शिवमार (द्वितीय) ९
शिवमृगेशवर्मा (कदम्बवंशीय राजा) ९
शिवसागर (आचार्य) १३२
शिवस्कन्द वर्मा (पल्लवराज) ९
शिवार्य (भगवती-आराधनाकार) १३२
शिश्नदेव १८, २४७, २४९, ४०२, ४०३
शीतादिपरीषह (जय) ९९, १२४, १२५
शीलांकाचार्य (श्वे०) १००
शुक्लध्यानपरायण (जाबालोपनिषद्) २७७
शुभप्रभामण्डल (तीर्थंकरों का—श्वे०) १०३, ३५९, ३६१, ३८७

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक टस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

शोधादर्श (पत्रिका), अंक ४८, (नवम्बर २००२) ३७३

शोभनराय (राजा) ५२७, ५४५

शौरसेनीकरण ५८२

शौरिपुर (आगरा, उ.प्र.) ३७४

श्रमण (दिगम्बर मुनि) २६१, २७३, ४७७

श्रमण (मासिक पत्र) १६६, ३८६, ३८७, ३८९

श्रमणधारा प्राग्वैदिक ३९६

श्रमण भगवान् महावीर (मुनि कल्याण-विजय) २०, २१, २८-३१, ६०, ६१, ७७, ८५, ३०२-३०८, ३१०, ३२३, ३२४, ३२९-३३१, ३५२, ४४५, ४९८

श्रवणबेलगोल की बाहुवली-प्रतिमा ४१२

श्रवणबेलगोल-महानवमीमण्डप-स्तम्भ-लेख (क्र. ४०/६४) ६३

श्राद्ध २७१

श्रावक २५९, २७३, २९०, ३१२ (अचेल सावका, निगण्ठस्स नाटपुत्तस्स सावका)

श्रीकलश (श्वेताम्बर मुनि) ४८९

श्रीदत्त ६५

श्रीमूल-मूलगण-नन्दिसंघान्वय (यापनीय) ५६२, ५७०

श्रीमूल-मूलसंघ (यापनीय) ४९२

श्रीलंका ४७४

श्रीविजयशिवमृगेशवर्मा (कदम्बवंश) २०, ६४-६६, १४१, १४३, ३५०, ३९१

श्रुतसागर मुनि (श्वे. पश्चात् दिग.) १३७

श्रुतसागर सूरि (भट्टारक, १५वीं शती ई०) ७६, ४१६, ४२८, ४३३

शृंगेरी (मैसूर)-अभिलेख (क्र. २४०) ५६६

श्रौतसूत्र २४८

श्वेतपट (सेयवडो) १८, ५३, १४९, २८२, ४४६

श्वेतपटमहाश्रमणसंघ ६४, १०७, ११४, १४१, १४९, ३९१, ५५६

श्वेतपटश्रमणसंघ १३८, १४६, ३९३

श्वेतपटसंघ (सेवऽसंघो) १४९-१५१, ४५८, ५५७

श्वेतवस्त्र (सेतवत्थ) संघ १४९, ४४६

श्वेतवासस् २९८

श्वेताम्बर (मत, संघ, सम्प्रदाय, परम्परा) १०९, ११४, १७२, २३०, ४३४, ४४६, ४६०, ५१३, ५१४

श्वेताम्बर आगम और दिगम्बरत्व (लेख) १६६

श्वेताम्बर-आगम-लिपिबद्धीकरण ४६३

श्वेताम्बरग्रन्थ ७४

श्वेताम्बर-दिगम्बर-जिनप्रतिमाभेद ३६५

श्वेताम्बरमत-समीक्षा २५०, २९२, ३७२

श्वेताम्बरसाधु-लक्षण (शिवमहापुराण)
— मलिनवस्त्रधारी
— तुण्डवस्त्रधारी
— वस्त्रखण्डनिर्मित-मार्जनीधारी
— गुम्फिपात्रधारी
— मुण्डी
— धर्मलाभवादी २९८, २९९

श्वेताम्बरसाहित्य का विकास ४८०

ष

षट्खण्डागम (छक्खंडागम) १०

षट्खण्डागम-प्रस्तावना, (प्रो०, डॉ० हीरालाल जैन) १३२ (पुस्तक १), १३३ (पु.२)

षट्प्राभृत ७६
षड्दर्शनसमुच्चय (हरिभद्रसूरि) १४६, १४७
—तर्करहस्यदीपिका वृत्ति (गुणरत्न) ४९, ५९, १४७, १४८, २९६, ३०१, ४८६, ५११, ५७२

स

संस्कृत-इंग्लिश डिक्शनरी (सर एम० मोनियर विलिअम्स) २५४
संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास (रा० व० त्रिपाठी) २६०, २६२, २६९, २७३
संस्कृत साहित्य का इतिहास (बल. उपा.) २६०, २७१
संस्कृत-हिन्दी कोश (वामन शिवराम आप्टे) २५३
संस्कृति के चार अध्याय (रामधारीसिंह दिनकर) २९३, ३९६
सग्रन्थ ६५, १३८
सङ्गमदेव ३७६
सङ्घदासगणि-क्षमाश्रमण १६०, १७६
संघभेद ४५८, ४७०
सङ्घमित्रा (श्वे० साध्वी) ९४, ४५२
सचेल (सचेलक, सवस्त्र) १७७, १७८, १७९
सचेल जैन श्रमणसंघ १४५
सचेलधर्म १७, ८४
सचेल-निर्ग्रन्थसंघ १४५, १४९
सचेलाचेलमार्गी (सचेलाचेल-उभय-मुक्ति-वादी संघ) ४८६, ४८८, ५७२, ५८६, ५८७
सच्चक (देखिये 'निर्ग्रन्थपुत्र सच्चक')
सञ्जय बेलट्ठपुत्त (अनिश्चयवादी) ३१४-३१६, ३३३
सत्तजटिलसुत्त (उदानपालि) ३२२
सत्तरिसयठाणावृत्ति ३५९
सन्तरुत्तरधर्म १९, ८४, १६०
सन्न्यासेन देहत्याग (जाबालोपनिषद्) २७७
सन्न्यासोपनिषद् २७८, २७९
सन्मतिसूत्र, सन्मतितर्क, सन्मति १०
सप्तभंगी-विकासवाद १२
समणब्राह्मण (श्रमणब्राह्मण) ३१४
समन्तभद्र स्वामी ६५, १३२
समयसार ६३, ६९, १३७, २२३, २३१
—आत्मख्यातिटीका (आ० अमृतचन्द्र) २२३, ५८८
समयसुन्दर गणी २३, ५५, ४६३
समवायांगसूत्र २२३, ३६२
समुद्रविजय ३७४
सम्प्रति (मौर्य सम्राट्) ३६५, ४०७, ४१०, ४१५, ४२९, ४३०
सम्भूतिविजय (श्रुतकेवली, श्वे०) ४४७
सरस्वती (सारस्वत) गच्छ ३६६
सराक (एक जैन समुदाय) ४७४
सर्वार्थसिद्धि टीका ६५, १३०, १४४, २२२, ५२२
सवस्त्रतीर्थोपदेश १७
सवस्त्रमुक्ति ४५८
सागरमल (डॉ०) ४, ५, १०-१२, ३२, ७४, ७५, ८०-८३, १४४, १४५, १४९, ३८१, ३८६, ३८७, ३८९, ५५६, ५६८
साङ्ख्यतत्त्वकौमुदी ६८

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

सान्तरमुत्तर (प्रावरणीय) १६३
सामगामसुत्त (मज्झिमनिकायपालि, भाग ३) ४४९
सामञ्ञफलसुत्त (दीघनिकायपालि, भाग १) ३१५, ३१६, ३१७
सामाचारी शतक (समयसुन्दरगणी) ४६३
साम्प्रदायिक मनोविज्ञान ३९२
सायणाचार्य (ऋग्वेद के भाष्यकार) २४५
सारनाथ-लघुस्तम्भलेख ३३७
सालूर (मैसूर)-अभिलेख ५६६
सावलिपत्तन (दक्षिणापथ) ४५६, ४५७
सासणसुरिकहण (शासनदेवीकथन) ३६४
सिताम्बर (श्वेताम्बर) १४९, २९७, २९८, ४४६
सिद्धसेन-द्वितीय (सन्मतिसूत्रकार, दिगम्बर) १०, १३२
सिद्धहेमशब्दानुशासन ५२१, ५२२
सिद्धार्थ (राजा) ३३१
सिन्धुघाटी १८, ३९५
सिन्धुघाटीय (सिन्धु) सभ्यता ३९४-३९८
सिन्धुदेश ४५४
सुखलाल संघवी (पं०) २१३
सुत्तपाहुड २२८, २८८, ४७३
सुत्तपिटक (बौद्धसाहित्य) ३१३
सुदृष्टि (श्रेष्ठी) ३७४
सुधर्मा स्वामी ४६३
सुभद्र आचार्य (दशांगधारी) १३२
सुभिक्ष ४५७, ४६०
सुहस्ती (श्वे० आचार्य) ९७
सूत्रकृतांगसूत्र ३३१
सूरत-ताम्रपत्रलेख ५६७
सेतवत्थ (श्वेतवस्त्र) संघ १०७, ११५, २९७, ३१४
सेनान्वय (मूलसंघ) ५६७
सौभाग्यमल (श्वे० मुनि) १६६
सौम्यगुणाश्री (श्वे० साध्वी) २६
सौराष्ट्रदेश ४५६, ४५७, ४६०
स्कन्दिल (आर्य) ४२२, ४२३, ४२४, ५८०
Studies In Jaina Art (Dr. U.P. Shah) ४०४, ४०७, ४१०, ४११, ४१५
स्त्रीनिर्वाणप्रकरण (पाल्यकीर्ति शाकटायन) ४८५-४८८, ५७५, ५८१
स्त्रीपरीषह १३०
स्त्रीमुक्ति ४५८, ५७२
स्त्रीमुक्तिनिषेध ३८, ५४ (बोटिक शिवभूति द्वारा), ४९
स्थविरकल्प (दिगम्बर) ८५
स्थविरकल्प (श्वेताम्बर) १७, ८६, ८७
स्थविरकल्पिक उपकरण (उपधि) ८७, ८९
स्थविरकल्पिक (कल्पी) साधु (श्वे०) १७, ८६-९३, १०१
स्थविरकल्पिक साधु (दिगम्बर) ८५
स्थानकवासी परम्परा (श्वे०) ३९२
स्थानांगसूत्र १२५, १२६, १६६, १६९, २२७, ३११
स्थितिकल्प (दश) १६१
स्थूलभद्र (श्वे० आचार्य) ९६, ११०, ४२१, ४५९, ४६०, ४६६, ४७७
स्थूलवृद्ध (जैनमुनि) ४५३, ४५४, ४५५
स्थूलाचार्य ४६०, ५२०

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक टस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

स्थूलात्ययदोष (बौद्ध) ३१८
स्मिथ (डॉ० बी० ए०) ७१, ३७३, ३७५, ३७६
स्याद्वादपरीक्षा प्र० (तत्त्वसंग्रह) ३१२
स्याद्वादरत्नाकर (वादिदेवसूरि) ३१२
स्वप्रभामण्डलाच्छादितदेह तीर्थंकर (श्वे०) ३६१
स्वर्णदेश (जावा-सुमात्रा) ४७४
स्वाति (श्वे० आचार्य) ९७
स्वामिकुमार (स्वामी कार्तिकेय) १३२
स्वामिनी (वलभी के राजा वप्रवाद की पट्टरानी) ४५६
स्वायम्भुव मनु २६३
स्वायम्भुव मन्वन्तर (कालप्रमाण) २६६

ह

हंससंन्यासी २७९
हठयोगप्रदीपिका २८१
हठयोगविद्या २८१
हड़प्पा ३९८, ४००, ४०३, ४०५
हड़प्पा-जिनप्रतिमा ३९८, ४००, ४११
Harappa And Jainism (T.N. Ramchandran) ३९८, ४३७, ४४२
हड़प्पा और जैनधर्म (अनुवाद) ३९९
हरिणिगमिसी, हरिणेगमेसि (नैगमदेव), हरिनैगमेसि ३७३, ३७५
हरिद्राभिजातीय श्रावक (अचेलनिर्ग्रन्थ साधुओं के श्रावक—अंगुत्तरनिकय) ३१२, ३२०
हरिभद्रसूरि (श्वे० आचार्य) ४६, ४९, ३५२, ४८५, ५१५, ५७५
हरिवंशपुराण १०, ३७४
हरिषेण आचार्य (बृहत्कथाकोशकार) ३७७
हर्मन जैकोबी, डॉ० (जर्मन विद्वान्) ३२३, ३२४
हर्षचरित (बाणभट्ट) १९, २८२
हलायुधकोश (अभिधानरत्नमाला) २५४, २९८
हल्सी-ताम्रपत्रलेख (मृगेशवर्मा) १०७, १४१, ३५२
हल्सी-ताम्रपत्रलेख क्र० १०३ (हरिवर्मा) ३८९
हल्सी-ताम्रपत्रलेख क्र० १०४ (हरिवर्मा) ३९०
हस्तापलेखना (भोजन के बाद हाथ चाटना) ३२७
हस्तीमल (श्वे० आचार्य) ४, ५८, ६६, १३३, ४२९, ४९२
हाथीगुम्फाभिलेख (खारवेल) ४०५, ४०९, ४२२, ४२४, ४२७, ४२८
The Hāthigumphā Inscription of Khārvela and The Bhabru Edict of Aśoka (Dr. Shashikant) ५२४
हारि (नैगमेशदेव) ३७४
हिन्दू लॉजिक ऐज प्रीजर्व्ड इन चाइना एण्ड जापान (ग्रन्थ) ३०५
हिन्दू सभ्यता (डॉ० राधाकुमुद मुकर्जी) ३९६
हिमवन्त थेरावली ५२६, ५३२-५३६, ५४०-५४३, ५४७, ५४९-५५१, ५५२ (जाली होने की सूचना), ५५३
हिरिकोपीनङ्ग (ह्रीकौपीनाङ्ग = गुप्तांग) ३४४
History of Jain Monachism (Shantaram Bhalchandra Deo) ५११, ५१८, ५२०

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक टस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

हीनसंहननधारी १००, १०१, १२१, १२४
हीरालाल जैन, प्रो०, डॉ० २४१, ४०४, ५८४
हूलि-अभिलेख ५६३, ५६५
हेतुविन्दुतर्कटीका ३१२
हेमचन्द्र, कलिकालसर्वज्ञ, आचार्य (वैयाकरण) १९१, १९४, २५३
हेमचन्द्र विजय (श्वे० मुनि) ११
हेमचन्द्र सूरि, मलधारी (विशेषावश्यक-भाष्य-वृत्तिकार) २३, ४६, ५०-५२, २१७, २२४, २३०, २३३, २५३
हैम प्राकृत-शब्दानुशासन (कालिकालसर्वज्ञ, आ० हेमचन्द्र) २८८
होन्नूर-अभिलेख ५६३, ५६४

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

प्रयुक्त ग्रन्थों एवं शोधपत्रिकाओं की सूची

१. **अंगुत्तरनिकायपालि** (भाग ३,४) : विहार राजकीय पालि - प्रकाशन मण्डल। ई० सन् १९६०।

— भाग ३ > निपात ६, ७, ८।

— भाग ४ > निपात ९, १०, ११।

२. **अनगारधर्मामृत** : पं० आशाधर जी। भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली। ई० सन् १९७७।

— ज्ञानदीपिका संस्कृतपञ्जिका (स्वोपज्ञ)।

— सम्पादन-अनुवाद : सिद्धान्ताचार्य पं० कैलाशचन्द्र शास्त्री।

३. **अनुयोगद्वारसूत्र** : श्री आर्यरक्षित स्थविर। श्री आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर (राजस्थान)।

— अनुवादक-विवेचक : उपाध्याय श्री केवलमुनि जी।

४. **अभिधानचिन्तामणि - नाममाला** : आचार्य हेमचन्द्र। प्रकाशक : श्री रांदेररोड जैनसंघ, अडाजण पाटीया, रादेररोड, सूरत। ई० सन् २००३।

५. **अभिधान राजेन्द्र कोष** (भाग १ से ७), द्वितीय संस्करण। श्री अभिधान राजेन्द्र कोष प्रकाशन संस्था, अहमदाबाद। ई० सन् १९८६।

६. **अविमारक (नाटक)** : महाकवि भास। 'भासनाटकचक्र' चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी। ई० सन् १९९८।

७. **अष्टपाहुड** : आचार्य कुन्दकुन्द। शान्तिवीरनगर, श्री महावीर जी (राजस्थान)। ई० सन् १९६८।

— दंसणपाहुड।

— चारित्तपाहुड।

— सुत्तपाहुड।

— बोधपाहुड।

— भावपाहुड।

— मोक्खपाहुड।

— लिंगपाहुड।

— सीलपाहुड।

— श्रुतसागरसूरिकृत संस्कृतटीका।
— पं० पन्नालाल साहित्याचार्यकृत हिन्दी अनुवाद।

८. **अष्टसहस्री** (भाग १, २, ३) : आचार्य विद्यानन्द। दि० जैन त्रिलोक शोध संस्थान, हस्तिनापुर (मेरठ) उ० प्र०। ई० सन् १९९०।

९. **आगम और त्रिपिटक : एक अनुशीलन**—मुनि श्री नगराज जी डी० लिट्०। प्रथम खण्ड के प्रकाशक : कान्सेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली। ई० सन् १९८७। द्वितीय खण्ड के प्रकाशक : अर्हत् प्रकाशन, कलकत्ता। ई० सन् १९८२।

१०. **आचारांग** (प्रथम श्रुतस्कन्ध) : मुम्बापुरीय श्री सिद्धचक्र साहित्य प्रचारक समिति मुंबई। मुद्रणस्थान-सूरत। ई० सन् १९३५।
— भद्रबाहुकृत निर्युक्ति।
— शीलांकाचार्यकृत वृत्ति।

११. **आचारांगसूत्र**—प्रथम श्रुतस्कन्ध : अनुवादक—मुनिश्री सौभाग्यमल जी। प्रकाशक-जैन साहित्य समिति, नयापुरा, उज्जैन। वि० सं० २००७। द्वितीय श्रुतस्कन्ध : अनुवादक—पं० वसन्तीलाल नलवाया। प्रकाशक—धर्मदास जैन मित्रमण्डल, रतलाम, म० प्र०। ई० सन् १९८२।

१२. **आचारांगचूर्णि** : श्री जिनदास गणी। श्री ऋषभदेव केशरीमल श्वेताम्बर संस्था, रतलाम। ई० सन् १९४१।

१३. **आतुरप्रत्याख्यान** : वीरभद्र। प्रकाशक—बालाभाई ककलभाई अहमदाबाद। वि०सं० १९६२।

१४. **आदिपुराण** (भाग १,२) : आचार्य जिनसेन। भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली। ई० सन् १९८८।
— अनुवाद : पं० (डॉ०) पन्नालाल साहित्याचार्य।

१५. **आप्तपरीक्षा** : विद्यानन्द स्वामी। भारतवर्षीय अनेकान्त परिषद्, लोहारिया (राज०)। ई० सन् १९९२।

१६. **आप्तमीमांसा** : आचार्य समन्तभद्र। वीरसेवा मंदिर ट्रस्ट प्रकाशन वाराणसी-५। ई० सन् १९८९।
— अनुवाद : पं० जुगलकिशोर मुख्तार।

१७. **आराधना कथा कोश** : ब्रह्मचारी नेमिदत्त। भारतवर्षीय अनेकान्त विद्वत्परिषद्। ई० सन् १९९३।

१८. **आलापपद्धति** : आचार्य देवसेन। भारतवर्षीय अनेकान्त विद्वत्परिषद्, लोहरिया (राज०)। ई० सन् १९९०।

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

१९. **आवश्यकनिर्युक्ति** (भाग १) : भद्रबाहुस्वामी। भेरूलाल कनैयालाल कोठारी धार्मिक ट्रस्ट, मुम्बई। वि० सं० २०३८।

— हारिभद्रीय वृत्ति : हरिभद्रसूरि।

२०. **आवश्यक - मूलभाष्य** (आवश्यकसूत्र - मूलभाष्य) : कर्त्ता का नाम अज्ञात है। आवश्यकनिर्युक्ति की हारिभद्रीयवृत्ति में उद्धृत तथा जिन-भद्रगणी के विशेषावश्यकभाष्य में अन्तर्भूत।

२१. **आवश्यकसूत्र** (पूर्वभाग एवं उत्तरभाग) : गणधर गौतमस्वामी। श्री ऋषभदेव केशरी-मल श्वेताम्बर संस्था, रतलाम। ई० सन् १९२८ एवं १९२९।

२२. **इष्टोपदेश** : पूज्यपाद स्वामी। परमश्रुत प्रभावक मण्डल, चौकसी चैम्बर, खारा कुआ, जवेरी बाजार, बम्बई-२। ई० सन् १९५४।

२३. **ईशादिदशोपनिषद् (शांकरभाष्यसहित)** : मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली। ई० सन् १९७८।

२४. **ईशाद्यष्टोत्तरशतोपनिषद्** : चैखम्बा विद्याभवन, वाराणसी। ई० सन् १९९५।

— परमहंसपरिव्राजकोपनिषद्।

— बृहदारण्यकोपनिषद्।

— जाबालोपनिषद्।

— नारदपरिव्राजकोपनिषद्।

— तुरीयातीतोपनिषद्।

— संन्यासोपनिषद्।

— भिक्षुकोपनिषद्।

— छान्दोग्योपनिषद्।

— मुण्डकोपनिषद्।

— कठोपनिषद्।

— ईशावास्योपनिषद्।

— श्वेताश्वतरोपनिषद्।

— याज्ञवल्क्योपनिषद्।

२५. **उत्तराध्ययनसूत्र** : वीरायतन प्रकाशन, आगरा-२।

— सम्पादन : साध्वी चन्दना दर्शनाचार्य।

२६. **उत्तरभारत में जैनधर्म** : चिमनलाल जैचन्द्र शाह। प्रकाशक : सेवामन्दिर रावटी, जोधपुर। ई० सन् १९९०।

— अँगरेजी से हिन्दी अनुवाद : कस्तूरमल बांठिया।

२७. **उदानपालि** (सुत्तपिटक, खुद्दक निकाय) : विपश्यना विशोधन विन्यास, इगतपुरी (नासिक)। ई० सन् १९९५।

२८. **उपदेशमाला** (उवएसमाला) : श्री धर्मदास गणी। प्रकाशक : धनजी भाई देवचन्द्र जौहरी, मुम्बई।
— विशेषवृत्ति (दोघट्टी टीका) : रत्नप्रभसूरि।
२९. **ओघनिर्युक्ति** : भद्रबाहु स्वामी। आगमोदय समिति मेहसाना। ई० सन् १९१९।
— वृत्तिकार : द्रोणाचार्य।
३०. **कठोपनिषद्** : गीता प्रेस गोरखपुर। वि० सं० २०२४।
— शांकरभाष्य : श्री शंकराचार्य।
३१. **कल्पकौमुदीवृत्ति** : श्री शान्तिसागरकृत कल्पसूत्रव्याख्या। श्री ऋषभदेव केशरीमल जैन श्वेताम्बर संस्था, रतलाम। ई० सन् १९३६।
३२. **कल्पनिर्युक्ति** (कल्पसूत्रनिर्युक्ति) : श्वेताम्बर भद्रबाहु-द्वितीय। मुनि कल्याण विजय जी - कृत 'श्रमण भगवान् महावीर' (पृ. ३३६) में तथा श्री ताटक गुरु जैन ग्रन्थालय उदयपुर (राज०) द्वारा प्रकाशित 'कल्पसूत्र' की श्री देवेन्द्र मुनि शास्त्री-लिखित प्रस्तावना (पृ. १६) एवं परिशिष्ट १ की टिप्पणी क्र. ३ में उल्लेख है।
३३. **कल्पप्रदीपिकावृत्ति** : श्री संघविजयगणिकृत कल्पसूत्रवृत्ति। प्रकाशन : सेठ वाडीलाल चकुभाई देवीशाह पाटक। वि० सं० १९९१।
३४. **कल्पलता व्याख्या** : समयसुन्दरगणिकृत कल्पसूत्रव्याख्या। निर्णयसागर मुद्रणयन्त्रालय, मुम्बई। ई० सन् १९३९।
३५. **कल्पसमर्थन** : (कल्पसूत्रान्तर्गत अधिकार-बोधक)। ऋषभदेव केशरीमल जैन श्वेताम्बर संस्था, रतलाम। वि० सं० १९९४।
३६. **कल्पसूत्र** : प्राकृत भारती, जयपुर।
३७. **कल्पसूत्र** : भाषानुवाद : आर्यारत्न सज्जनश्री। वि० सं० २०३८।
३८. **कसायाहुड** (भाग १, ८, १२, १३, १४, १५, १६) : आचार्य गुणधर। भारतवर्षीय दि० जैन संघ, चौरासी, मथुरा। ई० सन् १९७४ ---। द्वितीय संस्करण।
— चूर्णिसूत्र : यतिवृषभाचार्य।
— जयधवला टीका : आचार्य वीरसेन।
— प्रस्तावना : १. ग्रन्थपरिचय एवं २. ग्रन्थकारपरिचय : सिद्धान्ताचार्य पं० कैलाश-चन्द्र शास्त्री, (पृ. ३-७३) ३. विषयपरिचय : पं० महेन्द्रकुमार न्यायाचार्य। (पृ. ७३-१०६) ("भूमिका के मुख्य तीन भाग हैं : ग्रन्थ, ग्रन्थकार और विषय-परिचय। इनमें से आदि के दो स्तम्भ पं० कैलाशचन्द्र जी ने लिखे हैं और अन्तिम

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

स्तम्भ पं० महेन्द्रकुमार जी ने लिखा है।'' सम्पादकीय वक्तव्य/ पृ. १४ ब)।

३९. **कसायपाहुडसुत्त** : आचार्य गुणधर। श्री वीरशासन संघ, कलकत्ता। ई० सन् १९५५।
— चूर्णिसूत्र : आचार्य यतिवृषभ।
— सम्पादन-अनुवाद-प्रस्तावना : पं० हीरालाल जैन सिद्धान्तशास्त्री।

४०. **कादम्बरी** (पूर्वभाग) : बाणभट्ट। मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
— संस्कृतटीका : श्वेताम्बराचार्य श्री भानुचन्द्र गणी।

४१. **कादम्बरी** : बाणभट्ट। सम्पादक : आचार्य रामनाथ शर्मा 'सुमन' एवं राजेन्द्रकुमार शास्त्री। प्रकाशक : साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ (उ० प्र०) / अष्टम संस्करण, ई० सन् १९९०।

४२. **कार्तिकेयानुप्रेक्षा** : स्वामिकुमार। परमश्रुत प्रभावक मंडल, श्रीमद्राजचन्द्र आश्रम अगास (गुजरात)। ई० सन् १९७८।
— अँगरेजी प्रस्तावना : प्रो० ए० एन० उपाध्ये।
— हिन्दी-अनुवाद : पं० कैलाशचन्द्र शास्त्री।

४३. **कालिदास की तिथिसंशुद्धि** : डॉ० रामचंद्र तिवारी। ईस्टर्न बुक लिंकर्स दिल्ली। ई० सन् १९८९।

४४. **काव्यानुशासन** (स्वोपज्ञवृत्ति-सहित): वैयाकरण एवं काव्यशास्त्री, 'कलिकालसर्वज्ञ,' आचार्य हेमचन्द्र। प्रवचन प्रकाशन, पूना। वि० सं० २०५८।
— संस्कृत व्याख्या : पण्डित शिवदत्त एवं काशीनाथ।

४५. **काव्यप्रकाश** : मम्मटाचार्य। ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी। ई० सन् १९६०।
— हिन्दी व्याख्या : विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि।

४६. **कूर्मपुराण** : हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग। ई० सन् १९९३।

४७. **क्या दिगम्बर प्राचीन हैं?** लेखक : शिशु आचार्य नरेन्द्रसागर सूरि। शेठ श्री अभेचंद गुलाबचंद झवेरी परिवार, मुम्बई के सौजन्य से प्रकाशित। प्राप्तिस्थान—१. जम्बूद्वीप पेढ़ी पालीताणा, २. ज्ञानशाला गिरिराज सोसायटी पालीताणा। ई० सन् १९९५।

४८. **खरा सो मेरा** : डॉ० सुदीप जैन। कुन्दकुन्द भारती (प्राकृत भवन) नई दिल्ली। ई० सन् १९९९।

४९. **खारवेल प्रशस्ति : पुनर्मूल्यांकन**—चन्द्रकान्तबाली शास्त्री। प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली। ई० सन् १९८८।

५०. **गुणस्थान-सिद्धान्त : एक विश्लेषण**—डॉ० सागरमल जैन। पार्श्वनाथ विद्यापीठ वाराणसी। ई० सन् १९९६।

५१. **गुरुपरम्परा से प्राप्त दिगम्बर जैन आगम : एक इतिहास**—डॉ० एम० डी० वसन्तराज। श्री गणेश वर्णी दि० जैन संस्थान नरिया, वाराणसी—५। ई० सन् २००१।

५२. **गोम्मटसार-कर्मकाण्ड** (भाग १,२) : आचार्य नेमिचन्द्र सिद्धान्तचक्रवर्ती। भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली। ई० सन् १९९६।

— जीवतत्त्वप्रदीपिका—कर्णाटवृत्ति : केशववर्णी।

— कर्णाटवृत्ति का 'जीवतत्त्वप्रदीपिका' नाम से ही संस्कृतरूपान्तर : श्री नेमिचन्द्र।

५३. **गोम्मटसार-जीवकाण्ड** (भाग १, २) : आचार्य नेमिचन्द्र सिद्धान्तचक्रवर्ती। भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली। ई० सन् १९९७।

— जीवतत्त्वप्रदीपिका—कर्णाटवृत्ति : केशव वर्णी।

— जीवतत्त्वप्रदीपिका—संस्कृतरूपान्तर : श्री नेमिचन्द्र।

५४. **चाणक्यशतक** : आचार्य विष्णुगुप्त चाणक्य।

५५. **छेदपिण्ड** : आचार्य इन्द्र (इन्द्रनन्दी)। 'प्रायश्चित्तसंग्रह'—माणिकचन्द्र दि० जैन ग्रन्थमाला (वि० सं० १९७८) में संगृहीत।

५६. **छेदशास्त्र** : (कर्त्ता अज्ञात—पु. जै. वा. सू./ प्रस्ता./ पृ.१०९) 'प्रायश्चित्तसंग्रह'—माणिकचन्द्र दि० जैन ग्रन्थमाला (वि० सं० १९७८) में संगृहीत।

५७. **जातक** (तृतीय खण्ड)—अनुवादक : भदन्त आनन्द कौसल्यायन। हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग। ई० सन् १९९०।

५८. **जातक-अट्ठकथा** (सुत्तपिटक—खुद्दकनिकाय)—तृतीयभाग। विपश्यना विशोधन विन्यास, इगतपुरी। ई० सन् १९९८।

५९. **जातकपालि** (सुत्तपिटक - खुद्दकनिकाय)—द्वितीयभाग। विपश्यना विशोधन विन्यास, इगतपुरी। ई० सन् १९९८।

६०. **जातकमाला** : आर्यशूर। सम्पादक-अनुवादक : सूर्यनारायण चौधरी। मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली। ई० सन् २००१।

६१. **जिनमूर्ति-प्रशस्ति-लेख** : कमलकुमार जैन। श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर छतरपुर (म.प्र.)। ई० सन् १९८२।

६२. **जिनशासन की कीर्तिगाथा** : डॉ० कुमारपाल देसाई। श्री अनिलभाई गाँधी (ट्रस्टी)। १०८ जैनतीर्थदर्शनभवन ट्रस्ट, श्री समवसरण महामन्दिर, पालिताणा—३६४२७०।

६३. **जिनसहस्त्रनामटीका** : श्रुतसागरसूरि।

६४. **जिनागमों की मूलभाषा** : डॉ० नथमल टाँटिया। प्राकृत टेस्ट सोसायटी, अहमदाबाद।

६५. **जीवसमास** : अज्ञात पूर्वधर आचार्य (जिनका नाम ज्ञात नहीं है)। अनुवादिका—

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक टस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

साध्वी विद्युत्प्रभाश्री। पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी। ई० सन् १९९८।

— भूमिका : डॉ० सागरमल जैन।

६६. **जैन आगम साहित्य : मनन और मीमांसा**—श्री देवेन्द्र मुनि शास्त्री। प्रकाशक—श्री तारकगुरु जैन ग्रन्थालय, उदयपुर (राज०)। ई० सन् १९७७।

६७. **जैन कथामाला** (भाग ४८) (आधारग्रन्थ : १. उपदेशमाला २. आख्यानक मणिकोश) : मधुकर मुनि। मुनिश्री हजारीमल स्मृति प्रकाशन, ब्यावर (राज०)।

६८. **जैन तत्त्वविद्या** : मुनि श्री प्रमाणसागर जी। भारतीय ज्ञानपीठ नयी दिल्ली। ई० सन् २०००।

६९. **जैनधर्म** : पं० कैलाशचन्द्र शास्त्री। भारतीय दिगम्बर जैन संघ, चौरासी, मथुरा (उ.प्र.)। ई० सन् १९७५।

७०. **जैनधर्म और दर्शन** : मुनि श्री प्रमाणसागर जी। शिक्षा भारती, कश्मीरी गेट, दिल्ली-६। ई० सन् १९९६।

७१. **जैनधर्म का मौलिक इतिहास** (प्रथमभाग) : आचार्य हस्तीमल जी।

७२. **जैनधर्म का मौलिक इतिहास** (द्वितीय भाग/द्वितीय संस्करण) : आचार्य हस्तीमल जी। जैन इतिहास समिति, जयपुर (राजस्थान) ई० सन् १९८७।

७३. **जैनधर्म का मौलिक इतिहास** (तृतीय भाग/प्रथम संस्करण) : आचार्य हस्तीमल जी। जैन इतिहास समिति, जयपुर (राजस्थान)। ई० सन् १९८३।

७४. **जैनधर्म का मौलिक इतिहास** (चतुर्थ भाग) : आचार्य हस्तीमल जी। जैन इतिहास समिति, जयपुर (राजस्थान)। ई० सन् १९८७।

७५. **जैन धर्म का यापनीय सम्प्रदाय** : डॉ० सागरमल जैन। पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी। ई० सन् १९९६।

७६. **जैनधर्म की ऐतिहासिक विकासयात्रा** : डॉ० सागरमल जैन। प्राच्य विद्यापीठ, शाजापुर (म.प्र.)। ई० सन् २००४।

७७. **जैनधर्म के प्रभावक आचार्य** : साध्वी संघमित्रा। जैन विश्वभारती, लाड़नूं (राज०)। ई० सन् २००१।

७८. **जैनधर्म के सम्प्रदाय** : डॉ० सुरेश सिसोदिया। आगम, अहिंसा-समता एवं प्राकृत संस्थान, उदयपुर (राजस्थान)। ई० सन् १९९४।

७९. **जैन निबन्धरत्नावली** (प्रथम भाग) : पं० मिलापचन्द्र कटारिया एवं श्री रतनलाल कटारिया। प्रकाशक : श्री वीरशासन संघ, कलकत्ता। ई० सन् १९६६।

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

८०. **जैन निबन्धरत्नावली** (द्वितीय भाग) : पं० मिलापचन्द्र कटारिया। भारतवर्षीय दि० जैन संघ, चौरासी, मथरा। ई० सन् १९९०।

८१. **जैन भारती** : (दिगम्बर जैन नरसिंहपुरा नवयुवक मण्डल भीण्डर (मेवाड़) के मन्त्री द्वारा लिखित 'भट्टारक चर्चा' नामक पुस्तिका (ई० सन् १९४१) में उद्धृत)

८२. **जैन विद्या के आयाम—ग्रन्थाङ्क २** (Aspects of Jainology, Vol. II)। पं० बेचरदास दोशी स्मृति ग्रन्थ। प्रकाशक : पार्श्वनाथ शोध संस्थान, वाराणसी, ई० सन् १९८७।

८३. **जैन शिलालेख संग्रह** (भाग १) : संग्रहकर्त्ता—डॉ० हीरालाल जैन। माणिकचन्द्र दिगम्बर जैन ग्रन्थमाला समिति। वि० सं० १९८४ (ई० सन् १९२७)।

८४. **जैन शिलालेख संग्रह** (भाग २) : संग्रहकर्त्ता—पं० विजयमूर्ति। माणिकचन्द्र दिगम्बर जैन ग्रन्थमाला समिति मुम्बई। ई० सन् १९५२।

८५. **जैन शिलालेख संग्रह** (भाग ३) : संग्रहकर्त्ता—पं० विजयमूर्ति। प्रकाशक–माणिकचन्द्र दिगम्बर जैन ग्रन्थमाला समिति, मुम्बई। ई० सन् १९५७। — प्रस्तावना : डॉ० गुलाबचन्द्र चौधरी।

८६. **जैन शिलालेख संग्रह** (भाग ४) : संग्राहक—सम्पादक : डॉ० विद्याधर जोहरापुरकर। भारतीय ज्ञानपीठ काशी। वीर नि० सं० २४९१।

८७. **जैन साहित्य और इतिहास** (प्रथम संस्करण) : पं० नाथूराम प्रेमी। हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, हीराबाग, गिरगाँव, बम्बई। ई० सन् १९४२। द्वितीय संस्करण : प्रकाशक–संशोधित साहित्य–माला, ठाकुरद्वार, बम्बई -२। ई० सन् १९५६।

८८. **जैन साहित्य और इतिहास पर विशद प्रकाश** (प्रथम खण्ड) : पं० जुगलकिशोर मुख्तार। वीरशासन संघ कलकत्ता। ई० सन् १९५६।

८९. **जैन साहित्य का इतिहास (पूर्वपीठिका)** : पं० कैलाशचन्द्र सिद्धान्तशास्त्री। श्री गणेशप्रसाद वर्णी जैन ग्रन्थमाला, वाराणसी। वीर नि० सं० २४८९।

९०. **जैन साहित्य का इतिहास** (भाग १, २) : सिद्धान्ताचार्य पं० कैलाशचन्द्र शास्त्री। श्री गणेश प्रसाद वर्णी जैन ग्रन्थमाला वाराणसी। वीर निर्वाण सं० २५०२।

९१. **जैन साहित्य का बृहद् इतिहास** (भाग ३) : डॉ० मोहनलाल मेहता। पार्श्वनाथ विद्याश्रम शोधसंस्थान, वाराणसी। ई० सन् १९६७।

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक टस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

९२. **जैन साहित्य में विकार** : पं० बेचरदास जैन। अनुवादक : तिलकविजय जी। प्रकाशक : श्री दिगम्बर जैन युवकसंघ, ललितपुर। वीर नि० सं० २४५८।

९३. **जैनाचार्य परम्परा महिमा** (३४९ श्लोकात्मक ग्रन्थ, अप्रकाशित) : रचयिता—श्रवण बेलगोल के ३१ वें भट्टारक श्री चारुकीर्ति। इस ग्रन्थ के नाम एवं संस्कृत पद्यों का उल्लेख श्वेताम्बराचार्य श्री हस्तीमल जी ने अपने ग्रन्थ 'जैनधर्म का मौलिक इतिहास', भाग ३ में पृष्ठ १५२ से १७७ तक किया है और लिखा है कि यह अप्रकाशित ग्रन्थ आचार्य श्री विनयचन्द्र ज्ञान भण्डार शोध प्रतिष्ठान, लालभवन, चौड़ा रास्ता, जयपुर-३ में उपलब्ध है।

९४. **जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश** (भाग १-४) : क्षुल्लक जिनेन्द्र वर्णी। भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली। ई० सन् १९८५, १९८६, १९८७, १९८८।

९५. **ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र** : (ज्ञातृधर्मकथाङ्ग)। आगम प्रकाशन समिति ब्यावर। ई० सन् १९८१।

— प्रधान सम्पादक : युवाचार्य श्री मिश्रीलाल जी महाराज 'मधुकर'।

— अनुवादक - विवेचक - सम्पादक : पं० शोभाचन्द्र भारिल्ल।

९६. **ज्ञानार्णव** : आचार्य शुभचन्द्र। श्री परमश्रुत प्रभावक मण्डल, अगास। ई० सन् १९७५।

९७. **डॉ० सागरमल जैन अभिनन्दन ग्रन्थ** । पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी। ई० सन् १९९८।

९८. **तत्त्वनिर्णयप्रासाद** : श्वेताम्बराचार्य मुनि श्री विजयानन्द सूरीश्वर 'आत्माराम'। प्रसिद्धकर्त्ता : अमरचंद पी० (पद्मा जी) परमार, मुम्बई।

९९. **तत्त्वार्थकर्तृ-तन्मतनिर्णय** : सागरानन्दसूरीश्वर जी महाराज (श्वेताम्बर)। **प्रकाशक** : श्री ऋषभदेव केशरीमल श्वेताम्बर संस्था रतलाम। वि० सं० १९९३।

१००. **तत्त्वार्थराजवार्तिक** (तत्त्वार्थवार्तिक, भाग १, २) : भट्ट अकलंक देव। भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली। ई० सन् १९९३।

— सम्पादक : प्रो० महेन्द्र कुमार जैन, न्यायाचार्य।

१०१. **तत्त्वार्थवृत्ति** : श्रुतसागर सूरि। भारतीय ज्ञानपीठ काशी। ई० सन् १९४९।

— प्रस्तावना : प्रो० महेन्द्रकुमार जैन न्यायाचार्य।

१०२. **तत्त्वार्थसार** : अमृतचन्द्रसूरि। सम्पादक : पं० पन्नालाल साहित्याचार्य। श्री गणेशप्रसाद वर्णी ग्रन्थमाला वाराणसी। ई० सन् १९७०।

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

१०३. **तत्त्वार्थसूत्र** (सर्वार्थसिद्धि) : भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली। ई० सन् १९९५।
१०४. **तत्त्वार्थसूत्र** : श्री उमास्वाति वाचक। ऋषभदेव केशरीमल जैन श्वेताम्बर संस्था, रतलाम। ई० सन् १९९६।
— हारिभद्रीय वृत्ति : श्री हरिभद्रसूरि।
१०५. **तत्त्वार्थसूत्र** (विवेचनसहित) : पं० सुखलाल संघवी। पार्श्वनाथ विद्याश्रम शोधसंस्थान, वाराणसी—५। ई० सन् १९९३।
१०६. **तत्त्वार्थसूत्र** (मोक्षशास्त्र) : बृहत्प्रभाचन्द्र। प्रकाशक : समीचीनधर्म-प्रबोध-संरक्षण-संस्थान कोटा (राज०)।
१०७. **तत्त्वार्थसूत्र-जैनागम-समन्वय** : उपाध्याय मुनि श्री आत्माराम जी महाराज (पंजाबी)। प्रकाशक : लाला शादीराम गोकुलचंद जौहरी, चाँदनी चौक, देहली। ई० सन् १९३४।
१०८. **तत्त्वार्थाधिगमसूत्र** (श्वेताम्बरमान्य तत्त्वार्थसूत्र) : परमश्रुत प्रभावक मण्डल, अगास। ई० सन् १९९२।
— तत्त्वार्थाधिगमभाष्य : उपर्युक्त पर आचार्य उमास्वाति द्वारा रचित भाष्य।
१०९. **तत्त्वार्थाधिगमसूत्र** (स्वोपज्ञभाष्ययुक्त) : श्री उमास्वाति-वाचक। प्रकाशक : जीवनचन्द साकरचन्द जवेरी, मुंबई एवं सूरत (गुजरात)। प्रथम भाग—ई० सन् १९२६, मुंबई। द्वितीयभाग-ई० सन् १९३० सूरत।
— तत्त्वार्थभाष्यवृत्ति : श्री सिद्धासेन गणी।
११०. **तर्कभाषा** : केशवमिश्र। चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी। ई० सन् १९७७।
— हिन्दी व्याख्या : आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि।
१११. **तित्थगोलियपयन्नु** (अथवा तित्थोगालियपयन्नु = तीर्थोद्गार)।
११२. **तिलोयपण्णत्ती** (भाग १, २, ३) : आचार्य यतिवृषभ। प्रकाशक : श्री १००८ चन्द्रप्रभ दि० जैन अतिशयक्षेत्र, देहरा-तिजारा (अलवर, राजस्थान)। ई० सन् १९९७।
— अनुवाद : आर्यिका विशुद्धमति जी।
११३. **तीर्थंकर महावीर और उनकी आचार्य-परम्परा** (खण्ड १, २, ३, ४) : डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री, ज्योतिषाचार्य। द्वितीय संस्करण—आचार्य शान्तिसागर छाणी ग्रन्थमाला, बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर) उ० प्र०। ई० सन् १९९२।
११४. **तैत्तिरीय आरण्यक**।
११५. **त्रिलोकसार** : आचार्य नेमिचन्द्र।
११६. **थेरीगाथा—अट्ठकथा** (सुत्तपिटक-खुद्दकनिकाय) : विपश्यना विशोधन विन्यास, इगतपुरी।

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

११७. **दक्षिण भारत में जैनधर्म** : सिद्धान्ताचार्य पं० कैलाशचन्द्र शास्त्री। भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली। ई० सन् २००१।

११८. **दर्शनसार** : आचार्य देवसेन। अनुवाद एवं विवेचना : पं० नाथूराम जी प्रेमी। जैन ग्रन्थ कार्यालय, हीराबाग, बम्बई। वि० सं० १९७४।

११९. **दशवैकालिकसूत्र** : आचार्य शय्यंभव। भारतीय प्राच्य तत्त्व प्रकाशन समिति पिंडवाड़ा (राजस्थान)। वि० सं० २०३७।

— हारिभद्रीयवृत्ति : हरिभद्रसूरि।

१२०. **दाठावंस** (बौद्धग्रन्थ)।

१२१. **दि० जैन अतिशयक्षेत्र श्री महावीर जी का संक्षिप्त इतिहास** : डॉ. गोपीचन्द्र वर्मा बाँसवाड़ा। रामा प्रकाशन २६२६, रास्ता खजानेवाला, जयपुर।

१२२. **दिगम्बरत्व और दिगम्बरमुनि** : कामता प्रसाद जैन। दि० जैन युवा समिति, १५ भगवान् महावीर मार्ग, बड़ौत, उ० प्र०। ई० सन् १९९२।

१२३. **दिगम्बर जैन सिद्धान्त दर्पण** (प्रो. हीरालाल जी के आक्षेपों का निराकरण): आद्य अंश-लेखक : मक्खनलाल शास्त्री, मुरैना। प्रकाशक : श्री दिगम्बर जैन समाज बम्बई। वीर नि० सं० २४७१। द्वितीय एवं तृतीय अंश-सम्पादक : पं० रामप्रसाद शास्त्री बम्बई। प्रकाशक : दिगम्बर जैन पंचायत बम्बई। ई० सन् १९४४ एवं १९४६।

१२४. **दिव्यावादान** (रोमन लिपि में)—The Divyāvadān, by E.B. Cowell and R.A. Neil. Indological Book House, Delhi 1987 A.D.

१२५. **दिव्यावदान** (नागरी लिपि में)—सम्पादक : डॉ० पी० एल० वैद्य। प्रकाशक—मिथिला विद्यापीठ दरभंगा। ई० सन् १९९९।

१२६. **दीघनिकायपालि** : सम्पादन-अनुवाद : स्वामी द्वारिकादास शास्त्री। बौद्धभारती वाराणसी। ई० सन् १९९६।

— भाग १. सीलक्खन्धवग्ग।

— भाग २. महावग्ग।

— भाग ३. पाथिकवग्ग।

१२७. **द्रव्यस्वाभाव-प्रकाशक-नयचक्र** : श्री माइल्ल धवल। भारतीय ज्ञानपीठ वाराणसी। ई० सन् १९७१।

१२८. **धम्मपद** : व्याख्याकार—कन्छेदीलाल गुप्त और सत्कारि शर्मा वङ्गीय। चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी। ई० सन् १९६८।

१२९. **धम्मपद-अट्ठकथा**, भाग १,२ (सुत्तपिटक-खुद्दक निकाय) : विपश्यना विशोधन विन्यास इगतपुरी। ई० सन् १९९८।

१३०. **धम्मपद-अट्ठकथा,** भाग २ (सुत्तपिटक—खुद्दक निकाय) : नवनालन्दा महाविहार, नालन्दा। ई० सन् १९७६।

१३१. **नन्दीसूत्र** : विवेचक—स्व. श्री केवलमुनि जी के शिष्य श्री लालमुनि जी के परिवार के सन्त मुनि श्री पारसकुमार जी (धर्मदास सम्प्रदाय)। प्रकाशक—अ० भा० साधुमार्गी जैन संस्कृति-रक्षक संघ, सैलाना (म.प्र.)। ई० सन् १९८४।

१३२. **नियमसार** : आचार्य कुन्दकुन्द। ('कुन्दकुन्द भारती' में संगृहीत)।

१३३. **निशीथसूत्र** (स्वोपज्ञभाष्य सहित) : श्री विसाहगणी महत्तर। (प्रथम विभाग-पीठिका) सम्पादक : उपाध्याय कवि श्री अमरमुनि तथा मुनि श्री कन्हैयालाल जी 'कमल'। भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली। ई० सन् १९८२।

— विशेषचूर्णि : श्री जिनदास महत्तर।

— निशीथ : एक अध्ययन—पं० दलसुख मालवणिया।

१३४. **नीतिसार** (नीतिसार-समुच्चय) : इन्द्रनन्दी। भारतवर्षीय अनेकान्त विद्वत्परिषद्। ई० सन् १९९०।

१३५. **न्यायकुमुदचन्द्र-परिशीलन** : प्रो० उदयचन्द्र जैन। प्राच्य श्रमण भारती, मुजफ्फरनगर, उ.प्र.। ई० सन् २००१।

१३६. **न्यायकुसुमाञ्जलि** : उदयनाचार्य।

१३७. **न्यायदीपिका** : अभिनव धर्मभूषण यति। प्रकाशक : भारतवर्षीय अनेकान्त विद्वत्परिषद्। ई० सन् १९९०।

१३८. **न्यायमञ्जरी** : जयन्त भट्ट।

१३९. **न्यायावतारवार्तिकवृत्ति** : श्री शान्तिसूरि। सम्पादक : पण्डित दलसुख मालवणिया। प्रकाशक : सरस्वती पुस्तक भण्डार, अहमदाबाद। ई० सन् २००२।

— प्रस्तावना : पं० दलसुख मालवणिया।

१४०. **पउमचरिउ** (भाग १,२,३,४,५) : महाकवि स्वयम्भू। भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली। ई० सन् १९८९, १९७७, १९८९, २०००, २००१।

१४१. **पउमचरिय** : विमलसूरि।

१४२. **पञ्चतन्त्र-अपरीक्षितकारक** : विष्णु शर्मा। रामनारायणलाल बेनीमाघव, इलाहाबाद-२। ई० सन् १९७५।

१४३. **पंचमहागुरुभक्ति** : आचार्य कुन्दकुन्द। ('कुन्दकुन्द भारती' में संगृहीत)।

१४४. **पंचाशक** (पंचाशक-प्रकरण) : आचार्य हरिभद्रसूरि। पार्श्वनाथ विद्यापीठ वाराणसी।

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक टस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

१४५. **पंचास्तिकाय** : आचार्य कुन्दकुन्द। श्री परमश्रुत प्रभावक मंडल, श्री मद्राजचन्द्र आश्रम अगास (गुजरात)। ई० सन् १९६९।

— समयव्याख्या (तत्त्वप्रदीपिका वृत्ति) : आचार्य अमृतचन्द्र।

— तात्पर्यवृत्ति : आचार्य जयसेन।

— बालावबोधभाषाटीका : पाण्डे हेमराज।

१४६. **पट्टावलीपराग** : पं० श्री कल्याणविजय गणी। प्रकाशक : कल्याणविजय शास्त्रसंग्रह समिति, जालौर (राजस्थान)। ई० सन् १९५६।

१४७. **पं० रतनचन्द्र जैन मुख्तार : व्यक्तित्व और कृतित्व (भाग १)**। आचार्य श्री शिवसागर दि० जैन ग्रन्थमाला शान्तिवीरनगर, श्रीमहावीर जी (राजस्थान) ई० सन् १९८९।

१४८. **पं० वंशीधर व्याकरणाचार्य अभिनन्दन ग्रन्थ** । सरस्वती-वरदपुत्र पं० वंशीधर व्याकरणाचार्य अभिनन्दनग्रन्थ प्रकाशन समिति, वाराणसी। ई० सन् १९८९।

१४९. **पण्णवणासुत्त** (भाग १,२) : श्री श्यामार्य वाचक। श्री महावीर जैन विद्यालय, बम्बई २६। ई० सन् १९६९ एवं १९७१।

— सम्पादन एवं अँगरेजी प्रस्तावना : मुनि पुण्यविजय जी, पं० दलसुख मालवणिया एवं पं० अमृतलाल मोहनलाल भोजक।

१५०. **पद्मपुराण** (पद्मचरित-भाग १,२,३) : आचार्य रविषेण। भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली। ई० सन् २००१, २००२, २००३।

— सम्पादन-अनुवाद : डॉ० पन्नालाल जैन साहित्याचार्य।

१५१. **पद्ममहापुराण** (वैदिक = हिन्दू)—द्वितीय भाग (भूमि, स्वर्ग, ब्रह्म एवं पातालखण्ड) भूमिका : प्रो० डॉ० चारुदेवशास्त्री। प्रकाशक : नाग पब्लिशर्स, जवाहरनगर, दिल्ली-७। ई० सन् १९८४।

१५२. **परमात्मप्रकाश एवं योगसार** : जोइंदुदेव। परमश्रुत प्रभावक मंडल, अगास। ई० सन् १९७३।

— संस्कृतटीका : ब्रह्मदेव।

— भाषा टीका : पं० दौलतराम जी।

— प्रस्तावना (Introduction) : ए० एन० उपाध्ये।

१५३. **परिशिष्टपर्व** : कलिकालसर्वज्ञ आचार्य हेमचन्द्र। प्रकाशक : एशियाटिक सोसाइटी, ५७ पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता। ई० सन् १८९१।

— सम्पादक : हर्मन जैकोबी।

१५४. **पाइअ-सद्द-महण्णवो** : (प्राकृत-हिन्दी-शब्दकोश) : पं० हरगोविन्ददास त्रिकमचंद सेठ। मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली। ई० सन् १९८६।

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

१५५. **पातञ्जलयोगदर्शन** : महर्षि पतञ्जलि। कृष्णदास अकादमी, वाराणसी। ई० सन् १९९९।
— व्यासभाष्य : श्री व्यास।
१५६. **पात्रकेसरी-स्तोत्र** (जिनेन्द्रगुणसंस्तुति) : पात्रकेसरी (पात्रस्वामी)।
१५७. **पालि-हिन्दी कोश** : भदन्त आनन्द कौसल्यायन। राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली-पटना। ई० सन् १९९९।
१५८. **पुरातन-जैनवाक्य-सूची** : पं० जुगलकिशोर मुख्तार। वीरसेवा मन्दिर, सरसावा, जिला-सहारनपुर (उ० प्र०)। ई० सन् १९५०।
१५९. **पिण्डनिर्युक्ति** : भद्रबाहुस्वामी। शाह नगीनभाई घेलाभाई जव्हेरी, मुंबई। ई० सन् १९१८।
— मलयगिरीया वृत्ति : आचार्य मलयगिरि।
१६०. **प्रकरणरत्नाकर** (चतुर्थभाग) : प्रकाशक—शा० भीमसिंह माणकनी वती, शा० भाणजी माया, मुंबई। ई० सन् १९१२। निर्णयसागर प्रेस मुम्बई।
१६१. **प्रतिक्रमण-ग्रन्थत्रयी** : श्री गौतमस्वामी - विरचित। प्रकाशक : आचार्य शान्तिसागर दि० जैन जिनवाणी जीर्णोद्धारक संस्था। वीर संवत् २४७३।
— संस्कृतटीका : प्रभाचन्द्र।
— सम्पादक : पं० मोतीचन्द्र गौतमचन्द्र कोठारी, एम० ए०।
१६२. **प्रबोधचन्द्रोदय** : कृष्ण मिश्र यति। चौखम्बा अमर भारती प्रकाशन, वाराणसी। ई० सन् १९७७।
१६३. **प्रमेयकमलमार्तण्ड** (द्वितीयभाग) : आचार्य प्रभाचन्द्र। मुद्रक : पाँचूलाल जैन, कमल प्रिंटर्स मदनगंज-किशनगढ़ (राज०)। वीर नि० सं० २५०७।
— अनुवाद : आर्यिका जिनमती जी।
१६४. **प्रवचनपरीक्षा**—पूर्वभाग (स्वोपज्ञवृत्ति-सहित) : उपाध्याय धर्मसागर। ऋषभदेव केशरीमल श्वेताम्बर संस्था, रतलाम (म.प्र.)।
१६५. **प्रवचनसार** : आचार्य कुन्दकुन्द। परमश्रुत प्रभावक श्रीमद्राजचन्द्र जैन शास्त्रमाला, श्रीमद्राजचन्द्र आश्रम, अगास (गुजरात)। ई० सन् १९६४।
— तत्त्वप्रदीपिकावृत्ति : आचार्य अमृतचन्द्र सूरि।
— तात्पर्यवृत्ति : आचार्य जयसेन।
— बालावबोध भाषाटीका : पाण्डे हेमराज।
— अँगरेजी-प्रस्तावना (Introduction): प्रो० ए० एन० उपाध्ये।
१६६. **प्रवचनसारोद्धार** (उत्तरभाग) : श्री नेमिचन्द्र सूरि। प्रकाशक : सेठ देवचन्द्र लालभाई जैन पुस्तकोद्धार संस्था, मुंबई। ई० सन् १९२२। निर्णयसागर प्रेस मुम्बई।

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक टस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

— संस्कृतवृत्ति : श्री सिद्धसेनसूरि शेखर

१६७. **प्रवचनसारोद्धार** : श्री नेमिचन्द्रसूरि। प्रकाशक : श्री जैन श्वे. मू. तपागच्छ गोपीपुरा संघ, सूरत। ई० सन् १९८८।

— टिप्पणीकार : श्री उदयप्रभ सूरि।

१६८. **प्रशमरतिप्रकरण** : श्वेताम्बराचार्य उमास्वाति। परमश्रुत प्रभावक मंडल, श्रीमद्राजचन्द्र आश्रम अगास (गुजरात)। वि० सं० २०४४।

— हारिभद्रीय टीका : श्री हरिभद्र सूरि।

१६९. **प्राकृत एवं संस्कृत साहित्य में गुणस्थान की अवधारणा** : साध्वी डॉ० दर्शनकलाश्री। श्री राजराजेन्द्र प्रकाशन ट्रस्ट, जयंतसेन म्यूजियम, मोहनखेड़ा (राजगढ़) धार, म० प्र०। ई० सन् २००७।

१७०. **प्राकृत भाषाओं का व्याकरण** : डॉ० रिचार्ड पिशल। विहार राष्ट्रभाषा परिषद् , पटना-३। ई० सन् १९५८।

— जर्मनभाषा से हिन्दी-अनुवाद : डॉ० हेमचन्द्र जोशी।

१७१. **प्राकृत साहित्य का इतिहास** : डॉ० जगदीशचन्द्र जैन। द्वितीय संस्करण। चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी। ई० सन् १९८५।

१७२. **प्राचीन भारतीय संस्कृति** : बी० एन० लूनिया। लक्ष्मीनारायण अग्रवाल पुस्तक-प्रकाशक, आगरा—३। ई० सन् १९७०।

१७३. **बारस अणुवेक्खा** : आचार्य कुन्दकुन्द।

१७४. **बृहत्कथाकोश** : आचार्य हरिषेण। सिंघी जैन ग्रन्थमाला। ई० सन् १९४३।

— अँगरेजी प्रस्तावना : डॉ० ए० एन० उपाध्ये।

१७५. **बृहत्कल्पसूत्र** (मूलनिर्युक्तिसहित) : स्थविर आर्य भद्रबाहु स्वामी।

— Vol. V (चतुर्थ एवं पंचम उद्देश)। ई० सन् १९३८।

— Vol. VI (षष्ठ उद्देश)। ई० सन् १९४२। प्रकाशक श्री आत्मानन्द जैनसभा, भावनगर।

— भाष्य : श्री संघदासगणी क्षमाश्रमण।

— वृत्ति : आचार्य श्री मलयगिरि, जिसे आचार्य श्री क्षेमकीर्ति ने पूर्ण किया।

१७६. **बृहत्संहिता** : वराहमिहिर।

१७७. **बृहदारण्यकोपनिषद्** : ईशादिदशोपनिषद्। मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली। ई० सन् १९७८।

— शांकरभाष्य : श्री शंकराचार्य।

१७८. **बृहद्द्रव्यसंग्रह** : नेमिचन्द्र सिद्धान्तिदेव। परमश्रुत प्रभावक मंडल, अगास (गुजरात)। वि० सं० २०२२।

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

— संस्कृतटीका : ब्रह्मदेव।
१७९. **ब्रह्मसूत्र** : बादरायण व्यास। मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली। ई० सन् १९९८।
— शांकरभाष्य : श्री शंकराचार्य।
१८०. **ब्रह्माण्डपुराण** (खण्ड १,२) : प्रकाशक—डॉ० चमनलाल गौतम, संस्कृति संस्थान, बरेली (उ० प्र०) ई० सन् १९८८।
१८१. **भक्तपरिज्ञा** : वीरभद्र। बालाभाई ककलभाई, अहमदाबाद। वि० सं० १९६२।
१८२. **भगवती-आराधना** (भाग १) : शिवार्य। जैन संस्कृति संरक्षक संघ, शोलापुर। ई० सन् १९७८।
१८३. **भगवती आराधना** : शिवार्य। जैन संस्कृति संरक्षक संघ, शोलापुर। ई० सन् २००६।
— विजयोदयाटीका : अपराजित सूरि।
— प्रस्तावना एवं अनुवाद : सिद्धान्ताचार्य पं० कैलाशचन्द्र शास्त्री।
१८४. **भगवती-आराधना** : शिवार्य। प्रकशक : विशम्बरदास महावीरप्रसाद जैन सर्राफ, देहली।
१८५. **भगवती-आराधना** : शिवार्य। प्रकाशक : हीरालाल खुशालचंद दोशी, फलटण। ई० सन् १९९०।
— विजयोदयाटीका : अपराजित सूरि।
— अनुवाद : सिद्धान्ताचार्य पं० कैलाशचन्द्र शास्त्री।
१८६. **भगवतीसूत्र : एक परिशीलन**—आचार्य श्री देवेन्द्र मुनि। प्रकाशक—श्री तारक गुरु जैन ग्रन्थालय, उदयपुर (राज०)। वि० सं० २०४९।
१८७. **भगवद्गीता** : शांकरभाष्य।
१८८. **भगवान् महावीर का अचेलकधर्म** : पं० कैलाशचन्द्र शास्त्री। भारतवर्षीय दि० जैन संघ, चौरासी, मथुरा। वि० सं० २००१।
१८९. **भगवान् महावीर और महात्मा बुद्ध** : कामता प्रसाद जैन। वीर नि० सं० २४५३।
१९०. **भट्टारक चर्चा** : लेखक एवं प्रकाशक—मन्त्री, दिगम्बर जैन नरसिंहपुरा नवयुवक मण्डल, भीण्डर (मेवाड़)। ई० सन् १९४१। (लेखक-मंत्री महोदय ने अपने नाम का उल्लेख नहीं किया।)
१९१. **भट्टारकमीमांसा** : पं० दीपचन्द वर्णी नरसिंहपुर-निवासी। प्रकाशक : वीर कालूराम राजेन्द्रकुमार परवार, रतलाम। वीरजयन्ती २४५४, सन् १९२७। तृतीय संस्करण के प्रकाशक : स्व० श्री मोहनलाल जी जैन, श्रीमती क्रान्तिबाई जैन, बाहुबली कॉलोनी सागर (म० प्र०)। ई० सन् २००३।
१९२. **भट्टारकसम्प्रदाय** : प्रो० विद्याधर जोहरापुरकर। जैन संस्कृति संरक्षक संघ, सोलापुर। ई० सन् १९५८।

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

१९३. **भद्रबाहुचरित** : रत्ननन्दी (रत्नकीर्ति)। जैन भारती भवन, बनारस। ई० सन् १९११।

१९४. **भद्रबाहुचरित्र** : महाकवि रइधू। सम्पादक : डॉ० राजाराम जैन, दिगम्बर जैन युवकसंघ आरा (बिहार), ई० सन् १९९२।

१९५. **भागवतपुराण** (श्रीमद्भागवत महापुराण) : गीता प्रेस गोरखपुर। वि० सं० २०५७।

१९६. **भारतीय इतिहास एक दृष्टि** : डॉ० ज्योतिप्रसाद जैन। भारतीय ज्ञानपीठ। सन् १९९९।

१९७. **भारतीय दिगम्बर जैन अभिलेख और तीर्थ परिचय मध्यप्रदेश** : १३वीं शती तक : डॉ० कस्तूरचन्द्र जैन 'सुमन'। श्री दिगम्बर जैन साहित्य संस्कृति संरक्षण समिति, डी-३०२, विवेक विहार, दिल्ली। ई० सन् २००१।

१९८. **भारतीय पुरालेखों का अध्ययन** : डॉ० शिवरूप सहाय। मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी। ई० सन् १९९९।

१९९. **भारतीय संस्कृति का विकास : वैदिकधारा** : डॉ० मंगलदेव शास्त्री। समाज विज्ञान परिषद्, काशी विद्यापीठ बनारस। १९५६ ई०।

२००. **भारतीय संस्कृति में जैनधर्म का योगदान** : डॉ० हीरालाल जैन। मध्यप्रदेश शासन साहित्य परिषद्, भोपाल। ई० सन् १९७५।

२०१. **भावना-द्वात्रिंशतिका** : आचार्य अमितगति। ज्ञानपीठ पूजाञ्जलि, पृ० ४७५। सम्पादक —डॉ.० ए० एन० उपाध्याय एवं पं० फूलचन्द्र शास्त्री। भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली।

२०२. **भावसंग्रह** (प्राकृत) : देवसेनाचार्य।

२०३. **भावसंग्रह** : वामदेव। भारतवर्षीय अनेकान्त विद्वत्परिषद्, लोहारिया (राजस्थान)।

२०४. **मज्झिमनिकाय** (सुत्तपिटक) : सम्पादक : भिक्षु जगदीश कश्यप। बिहार राजकीय पालि-प्रकाशन मण्डल। ई० सन् १९५८।

— १. मूल पण्णासक।

— २. मज्झिम पण्णासक।

२०५. **मज्झिमनिकायपालि** (सुत्तपिटक) : सम्पादक-अनुवादक : स्वामी द्वारिकादास शास्त्री। बौद्ध भारती, वाराणसी।

— १. मूल पण्णासक। ई० सन् १९९८।

— २. मज्झिम पण्णासक। ई० सन् १९९९।

— ३. उपरि पण्णासक। ई० सन् २०००।

२०६. **मत्स्यपुराण** (पूर्वभाग, उत्तरभाग) : हिन्दी साहित्य सम्मलेन प्रयाग। ई० सन् १९८८-८९।

२०७. **महापुराण** : आचार्य जिनसेन। भारतीय ज्ञानपीठ काशी। ई० सन् १९५१।

२०८. **महाभारत** (आदिपर्व / अध्याय १-७) : श्री वेदव्यास। गीता प्रेस गोरखपुर (उ०प्र०)। नवम्बर १९५५ ई०।

२०९. **महाभारत** (शान्तिपर्व) प्रकाशक : वसन्त श्रीपाद सातवलेकर। स्वाध्याय मण्डल, किल्ला—पारडी (बलसाड़) गुजरात। ई० सन् १९८०।

२१०. **महावग्गपालि** (विनयपिटक) : सम्पादक-अनुवादक : स्वामी द्वारिकादास शास्त्री। बौद्ध भारती, वाराणसी। ई० सन् १९९८।

२११. **मानतुङ्गाचार्य और उनके स्तोत्र** : प्रो० मधुसूदन ढाकी और डॉ० जितेन्द्र शाह।

२१२. **मानवभोज्यमीमांसा** : मुनि कल्याणविजय जी गणी। श्री कल्याणविजय-शास्त्रसंग्रह-समिति, जालोर (राज०)। ई० सन् १९६१।

२१३. **मीमांसाश्लोकवार्तिक** : कुमारिल भट्ट।

२१४. **मुद्राराक्षस** (नाटक) : विशाखदत्त। ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

२१५. **मूलाचार** (पूर्वार्ध एवं उत्तरार्ध) : आचार्य वट्टकेर। भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली। ई० सन् १९९२, १९९६।

— आचारवृत्ति : आचार्य वसुनन्दी सिद्धान्तचक्रवर्ती।

— हिन्दी-टीकानुवाद : आर्यिकारत्न ज्ञानमती जी।

— प्रधान सम्पादकीय : ज्योति प्रसाद जैन।

२१६. **मूलचार** : आचार्य वट्टकेर। भारतवर्षीय अनेकान्त विद्वत्परिषद्। ई० सन् १९९६।

— सम्पादकीय : डॉ० फूलचन्द्र प्रेमी और डॉ० श्रीमती मुन्नी जैन।

२१७. **मूलाराधना** (भगवती-आराधना) : शिवार्य। स्वामी देवेन्द्रकीर्ति दिगम्बर जैन ग्रन्थ-माला शोलापुर। ई० सन् १९३५।

— मूलाराधनादर्पण (संस्कृतटीका) : पं० आशाधर जी।

— हिन्दी-अर्थकर्त्ता : पं० जिनदास पार्श्वनाथ शास्त्री फड़कुले।

२१८. **मोक्षशास्त्र** (तत्त्वार्थसूत्र, जिनकल्पिसूत्र) : आचार्य प्रभाचन्द्र। समीचीन धर्मप्रबोध संरक्षण संस्थान, कोटा (राजस्थान)।

२१९. **मोटी साधु-वन्दना** (गुजराती) : छोटालाल जी महाराज। थानकवासी जैन उपाश्रय, लिमड़ी (सौराष्ट्र) ई० सन् १९९१।

२२०. **मोहेन-जो-दड़ो : जैन परम्परा और प्रमाण** : आचार्य विद्यानन्द जी। कुन्दकुन्द भारती, नयी दिल्ली। ई० सन् १९८८।

२२१. **यशस्तिलकचम्पू** : सोमदेवसूरि। प्रकाशक : तुकाराम जावजी, निर्णयसागर प्रेस, बम्बई। पूर्वखण्ड (द्वितीय संस्करण)। ई० सन् १९१६। उत्तरखण्ड (प्रथम संस्करण)। ई० सन् १९०३।

— संस्कृतव्याख्या : श्रुतसागरसूरि।

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक टस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

२२२. **यापनीय और उनका साहित्य** : श्रीमती डॉ० कुसुम पटोरिया। वीर सेवा मन्दिर ट्रस्ट प्रकाशन। ई० सन् १९८८।

२२३. **रत्नकरण्डश्रावकाचार** : स्वामी समन्तभद्र। श्री मुनिसंघ साहित्य प्रकाशन समिति, सागर म० प्र०। ई० सन् १९९२।

— पद्यानुवाद : आचार्य श्री विद्यासागर जी

— हिन्दी अनुवाद : डॉ० (पं०) पन्नालाल जैन साहित्याचार्य।

२२४. **रत्नमाला** : शिवकोटि। 'सिद्धान्तसारादि संग्रह' में संगृहीत।

२२५. **लब्धिसार** (लब्धिसार-क्षपणासार) : नेमिचन्द्र सिद्धान्तचक्रवर्ती। आचार्य श्री शिव-सागर ग्रन्थमाला, शान्तिवीर नगर, श्री महावीर जी। वीर नि० सं० २५०९।

— सम्पादक : ब्र० पं० रतनचन्द्र मुख्तार सहारनपुर, उ० प्र०।

२२६. **ललितविस्तरा** : आचार्य श्री हरिभद्रसूरि।

— पञ्जिका टीका : श्री मुनिचन्द्र सूरीश्वर जी

— हिन्दी-विवेचना : पंन्यासप्रवर श्री भानुविजय जी गणिवर।

— भूमिकालेखक : श्री सम्पूर्णानन्द जी, राज्यपाल, राजस्थान।

— परिचयलेखक : प्रो० डॉ० पी० एल० वैद्य, वाडिया कालेज, पूना।

२२७. **लाटीसंहिता** : पं० राजमल्ल। श्रावकाचारसंग्रह (भाग ३)। सम्पादक : पं० हीरालाल जैन शास्त्री। जैनसंस्कृति संरक्षक संघ, सोलापुर। ई० सन् २००३।

२२८. **लिङ्गपुराण** : संस्कर्त्ता : आचार्य जगदीश शास्त्री। मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली। ई० सन् १९८०।

२२९. **लिंगप्राभृत (लिंगापाहुड)** : आचार्य कुन्दकुन्द।

२३०. **वरांगचरित** : जटासिंहनन्दी। भारतवर्षीय अनेकान्त विद्वत्पषिद्। ई० सन् १९९६।

२३१. **वात्सल्यरत्नाकर** (आचार्य श्री विमलसागर अभिनन्दन ग्रन्थ)—द्वितीय खण्ड। प्रकाशक : भारतवर्षीय अनेकान्त विद्वत्परिषद्, श्री दि० जैन बीसपंथी कोठी, मधुवन (शिखर जी)। ई० सन् १९९३।

२३२. **वायुपुराण** : हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग (इलाहाबाद)। ई० सन् १९८७।

२३३. **विद्वज्जनबोधक** : पं० पन्नालाल जी संघी

२३४. **विधि-मार्ग-प्रपा** : खरतरागच्छालंकार श्री जिनप्रभसूरि। श्री महावीर स्वामी जैन देरासर ट्रस्ट, ८ विजय वल्लभ चौक, पायुधनी, मुंबई ४०० ००३। ई० सन् २००५।

— अनुवाद : साध्वी सौम्यगुणाश्री (विधिप्रभा)।

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

२३५. **विविधदीक्षा-संस्कारविधि** : आर्यिका शीतलमती जी। सम्पादिका- ब्र० मैनाबाई जैन, संघसंचालिका। आशीषप्रदाता-सिद्धान्तचक्रवर्ती आचार्य सन्मतिसागर जी। मुद्रक-शिवशक्ति प्रिण्टर्स, ९, नेहरू बाजार, होटल तारावाली गली, उदयपुर (राज०)।

— प्रकथन : डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज'। ५८४ म. गाँ. मार्ग, तुकोगंज, इन्दौर-४५२ ००१ (म० प्र०)। ई० सन् २००२।

२३६. **विशेषावश्यकभाष्य** (भाग २) : जिनभद्रगणि-क्षमाश्रमण। दिव्यदर्शन ट्रस्ट, ६८ गुलालवाड़ी, मुंबई ४०० ००४। वि० सं० २०३९।

— मलधारी हेमचन्द्रसूरिकृत वृत्ति

२३७. **विष्णुपुराण** : गीता प्रेस गोरखपुर। वि० सं० २०५८।

२३८. **वीरवर्धमानचरित** : श्री सकलकीर्ति। भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली। ई० सन् १९७४।

— सम्पादन-अनुवाद : पं० हीरालाल जैन सिद्धान्तशास्त्री।

२३९. **वेदान्तसार** : परमहंस परिव्राजकाचार्य सदानन्द योगीन्द्र। पीयूष प्रकाशन, इलाहाबाद। ई० सन् १९६८।

— तत्त्वपारिजात हिन्दीटीका : सन्तनारायण श्रीवास्तव्य।

२४०. **वैदिक माइथॉलॉजी** : ए० ए० मैक्डॉनल (A.A. Macdonell)। हिन्दी अनुवादक : रामकुमार राय। चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी। ई० सन् १९८४।

२४१. **वैदिक साहित्य और संस्कृति** : आचार्य बलदेव उपाध्याय। शारदा संस्थान, वाराणसी—५। ई० सन् १९९८।

२४२. **वैराग्यशतक** (भर्तृहरिशतक) : मनोज पब्लिकेशन्स, दिल्ली। ई० सन् २००२।

२४३. **वैशेषिकसूत्रोपस्कार** (वैशेषिकसूत्र-व्याख्या) : आचार्य शंकर मिश्र। चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस, वाराणसी।

२४४. **व्याकरण महाभाष्य** (पस्पशाह्निक) : महर्षि पतञ्जलि। चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस, वाराणसी।

२४५. **व्याख्याप्रज्ञप्तिसूत्र** (भगवतीसूत्र/तृतीयखण्ड/शतक ११-१९) : श्री आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर (राजस्थान)।

— अनुवादक-विवेचक-सम्पादक : श्री अमर मुनि जी एवं श्रीचन्द सुराणा 'सरस'।

२४६. **शिवमहापुराण** - प्रस्तावना : अवधविहारीलाल अवस्थी। गौरीशंकर प्रेस, मध्यमेश्वर, वाराणसी।

२४७. **श्रमण भगवान् महावीर** : पं० (मुनि) कल्याणविजय जी गणी। प्रकाशक : श्री

क० वि० शास्त्र-संग्रह समिति, जालोर। वि० सं० १९९८, ई० सन् १९४१।

२४८. **श्रुतावतार** : विबुधश्रीधर। 'सिद्धान्तसारादिसंग्रह' में संगृहीत।

२४९. **श्रुतावतार** : आचार्य इन्द्रनन्दी। भारतवर्षीय अनेकान्त विद्वत्परिषद्, सोनागिर (दतिया) म० प्र०। ई० सन् १९९०।

२५०. **श्वेताम्बरमत-सामीक्षा** : पं० अजितकुमार शास्त्री। प्रकाशक : श्री दिगम्बर जैन युवक संघ।

२५१. **षट्खण्डागम**—सम्पादिका : ब्र० पं० सुमतिबाई शहा। श्री श्रुतभण्डार व ग्रन्थ प्रकाशन समिति, फलटण। ई० सन् १९६५।

२५२. **षट्खण्डागम** (द्वितीय संस्करण)—सम्पादिका : ब्र० पं० सुमतिबाई शहा। आ० शान्तिसागर 'छाणी' स्मृति ग्रन्थमाला, बुढ़ाना, मुजफ्फरनगर (उ०प्र०)। ई० सन् २००५।

२५३. **षट्खण्डागम** (पुस्तक १-१६) : पुष्पदन्त एवं भूतबलि। जैन संस्कृति संरक्षक संघ, सोलापुर। पुस्तक १, २—ई० सन् १९९२, पु० ३—ई० सन् १९९३, पु०४—ई० १९९६, पु० ५—ई० १९८६, पु० ६— ई० १९९३, पु० ७—ई० १९८६, पु० ८—ई० १९८७, पु० ९—ई० १९९०, पु० १०,११—ई० १९९२, पु० १२, १३—ई० १९९३, पु० १४—ई० १९९४, पु० १५,१६—ई०१९९५।

— धवलाटीका : आचार्य वीरसेन।

— सम्पादकीय (पुस्तक १) : डॉ० हीरालाल जैन एवं डॉ० ए० एन० उपाध्ये।

— प्रस्तावना (पुस्तक १) : पं० फूलचन्द्र सिद्धान्तशास्त्री।

२५४. **षट्खण्डागम-परिशीलन** : पं० बालचन्द्र शास्त्री। भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली। ई० सन् १९८७।

२५५. **षट्पाहुड** : आचार्य कुन्दकुन्द। प्रकाशिका : शान्ति देवी बड़जात्या, गौहाटी। ई० सन् १९८९।

२५६. **षड्दर्शनसमुच्चय** : हरिभद्रसूरि। भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन। ई० सन् १९८९।

— तर्करहस्यदीपिका टीका : गुणरत्नसूरि।

— प्रस्तावना : पं० दलसुख मालवणिया।

२५७. **संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास** : डॉ० राधावल्लभ त्रिपाठी। विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। ई० सन् २००१।

२५८. **संस्कृत साहित्य का इतिहास** : बलदेव उपाध्याय। शारदा मंदिर वाराणसी। ई० सन् १९६५।

२५९. **संस्कृत-हिन्दी कोश** : वामन शिवराम आप्टे। मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली। ई० सन् १९६९।

२६०. **संस्कृति के चार अध्याय** : रामधारी सिंह दिनकर। लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद-१। ई० सन् १९९७।

२६१. **समन्तभद्र ग्रन्थावली** : स्वामी समन्तभद्र। वीर सेवा मंदिर ट्रस्ट प्रकाशन वाराणसी। ई० सन् १९८९।

१. आप्तमीमांसा (देवागम)
— अकलंकदेवकृत आप्तमीमांसाभाष्य।
— आचार्य वसुनन्दीकृत देवागमवृत्ति।
— पं० जुगलकिशोर मुख्तारकृत हिन्दीव्याख्या।
२. युक्त्यनुशासन।
३. स्वयम्भूस्तोत्र।
४. जिनशतक।
५. रत्नकरण्डक।
— अनुवादक : पं० जुगलकिशोर मुख्तार

२६२. **समयसार** : आचार्य कुन्दकुन्द। अहिंसा मंदिर प्रकाशन, १ दरियागंज, दिल्ली ७।
— आत्मख्याति व्याख्या : आचार्य अमृतचन्द्र सूरि।
— तात्पर्यवृत्ति : आचार्य जयसेन।
— हिन्दीटीका : पं० जयचन्द।

२६३. **समावायांगसूत्र**—प्रकाशक : सेठ माणेकलाल चुन्नीलाल, अहमदाबाद। ई० १९३८।

२६४. **समाधितन्त्र** : देवनन्दी, अपरनाम—पूज्यपादस्वामी। श्री वीरसेवा मंदिर, सरसावा (सहारनपुर) । ई० सन् १९३९।

२६५. **सम्मइसुत्त** (सन्मतिसूत्र, सन्मतितर्क) : आचार्य सिद्धसेन। ज्ञानोदय ग्रन्थ प्रकाशन समिति, नीमच (म० प्र०) ई० सन् १९७८।
— सम्पादक : देवेन्द्र कुमार शास्त्री, नीमच।

२६६. **सर्वार्थसिद्धि** (तत्त्वार्थसूत्र-वृत्ति) : पूज्यपाद स्वामी। भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली। ई० सन् १९९५।
— सम्पादन-अनुवाद : सिद्धान्ताचार्य पं० फूलचन्द्र शास्त्री।

२६७. **सर्वार्थसिद्धि** : पूज्यपाद स्वामी। भारतवर्षीय अनेकान्त विद्वत्परिषद्। ई० सन् १९९५।

२६८. **सागारधर्मामृत** : पं० आशाधर जी। प्रकाशक : मूलचन्द किशनदास कापड़िया, सूरत। ई० सन् १९४०।

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

— हिन्दी-टीकाकार : पं० देवकीनन्दन सिद्धान्तशास्त्री।

२६९. **सिद्धहेमशब्दानुशासन** (अष्टम अध्याय : प्राकृतव्याकरण) : 'कलिकालसर्वज्ञ' आचार्य हेमचन्द्र।

२७०. **सिद्धान्तसमीक्षा** (भाग ३)—प्रकाशक : हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय,बम्बई। ई० सन् १९४५।

२७१. **सिद्धान्ताचार्य पं० कैलाशचन्द्र शास्त्री अभिनन्दन ग्रन्थ।**

२७२. **सिद्धान्ताचार्य पं० फूलचन्द्र शास्त्री अभिनन्दनग्रन्थ**—प्रकाशक : सिद्धान्ताचार्य पं० फूलचन्द्र शास्त्री अभिनन्दनग्रन्थ प्रकाशन समिति, वाराणसी। ई० सन् १९८५।

२७३. **सूत्रकृतांगसूत्र** : (पंचम गणधर सुधर्मस्वामी-प्रणीत द्वितीय अंग)—प्रथम एवं द्वितीय भाग। प्रधान सम्पादक : श्री मिश्रीलाल जी महाराज 'मधुकर'। श्री आगमप्रकाशन समिति ब्यावर (राजस्थान)।

२७४. **सूर्यप्रकाश-परीक्षा** : पं० जुगलकिशोर मुख्तार। प्रकाशक : जौहरीमल जैन सराफ, दरीवाँकला, देहली। ई० सन् १९३४।

२७५. **सौन्दरनन्द** (महाकाव्य) : अश्वघोष। प्रकाशक : चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस, वाराणसी।

२७६. **स्त्रीनिर्वाण प्रकरण** : ('शाकटायन व्याकरण' के साथ संलग्न। भारतीय ज्ञानपीठ। ई० सन् १९७१) : यापनीय-यतिग्रामाग्रणि-भदन्त-शाक-टायनाचार्य, मूलनाम पाल्यकीर्ति (देखिए , पं० नाथूराम प्रेमी : 'शाकटायन और उनका शब्दानुशासन'/ 'जैन सिद्धान्त भास्कर'/ भाग ९/ किरण १/ जून १९४२)।

२७७. **स्थानांगसूत्र** (पंचम गणधर सुधर्म स्वामी-प्रणीत तृतीय अंग) : आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर (राज०)।

— अनुवादक-विवेचक : पं० हीरालाल शास्त्री।

२७८. **स्वामी समन्तभद्र** : पं० जुगलकिशोर मुख्तार। जैन ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, हीराबाग, पो०-गिरगाँव, बम्बई। ई० सन् १९२५।

२७९. **हरिवंशपुराण** : आचार्य जिनसेन। भारतीय ज्ञानपीठ नयी दिल्ली। ई० सन् १९९८।

— सम्पादन-अनुवाद-प्रस्तावना : डॉ० पन्नालाल जैन साहित्याचार्य।

२८०. **हर्षचरित** : बाणभट्ट। चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी। ई० सन् १९९८।

— 'सङ्केत' संस्कृत व्याख्या : श्री शंकर कवि।

२८१. **हूमड़ जैनसमाज का सांस्कृतिक इतिहास** (भाग २)—सम्पादिका : श्रीमती कौशल्या

पंतग्या। प्रकाशक : श्री अखिल भारतीय हूमड़ जैन इतिहास शोधसमिति, १, सुदर्शन सोसायटी, नारायणपुरा, अहमदाबाद।

English Books

1. Aspects of Jainology (Vol.III) : P.V. Research Institute, Varanasi.
—The Date of Kundakundācārya : M.A. Dhaky.

2. Gender And Salvation : Padmanabh S. Jaini , Munshiram Manoharlal Publishers Pvt. Ltd., New Delhi, 1992 A.D.

3. Harappa And Jainism : T.N. Ramchandran, Published by Kundakunda Bharti Prakashan, New Delhi, 1987 A.D.
—Introduction : Dr. Jyotindra Jain.

4. History of Jaina Monachism (From Inscriptions And Literature) : By Shantaram Balchandra Deo. Deccan College Post-graduate And Research Institute, Poona 1956 A.D.

5. Indian Philosophy (Vol. II) : S. Rādhākrishṇan. Delhi Oxford Univesity Press.

6. Pañchāstikāyasāra : Āchārya Kundakunda, Bhārtiya Jnānpīth Publication, 1975 A.D.
—English Commentary & Introduction : Prof. A. Chakravartī Nayanār.

7. Sanskrit–English Dictionary : M. Monier Williams, Motilal Banarsidas, Delhi, 1999 A.D.

8. The Hāthīgumphā Inscription of Khāravēla And the Bhabru Edict of Aśoka : By Shashikant. D.K. Printworld (P) Ltd., New Delhi—110015. 1971 A.D.

शोध-पत्रिकाएँ

१. **अनेकान्त** (मासिक)—सम्पादक: पं० जुगलकिशोर मुख्तार, समन्तभद्राश्रम, करोलबाग, दिल्ली।

वर्ष	किरण	मास	वीर नि० सं०	वि० सं०	ई० सन्
१	३	माघ	२४५६	१९८६	१९२९
१	४	फाल्गुन	,,	,,	,,
१	५	चैत्र	,,	१९८६	१९२९
१	६-७	वैशाख-ज्येष्ठ	,,	१९८७	१९३०

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

वर्ष	किरण	मास	वीर नि० सं०	वि० सं०	ई० सन्
१	८-९-१०	आषाढ़-श्रावण-भाद्रपद	,,	,,	,,
१	११-१२	आश्विन-कार्तिक	,,	,,	,,

अनेकान्त (मासिक) के निम्नलिखित अंकों का सम्पादन-स्थान : वीरसेवा मंदिर, समन्तभद्राश्रम, सरसावा (जिला-सहारनपुर) उ० प्र०।

वर्ष	किरण	मास	वीर नि० सं०	वि० सं०	ई० सन्
२	३	पौष, जनवरी	२४६५	१९९५	१९३८
२	५	फाल्गुन, मार्च	,,	,,	१९३८
२	६	चैत्र, अप्रैल	,,	१९९६	१९३९
२	९	आषाढ़, जुलाई	,,	,,	१९३९
२	१०	प्रथम श्रावण, अगस्त	,,	,,	१९३९
४	१	फरवरी	—	१९९८	१९४१
५	१०-११	कार्त्तिक-मार्गशीर्ष, नवम्बर-दिसम्बर	२४६९	१९९९	१९४२
५	१२	पौष, जनवरी	,,	,,	१९४३
६	१०-११	मई-जून	,,	२००१	१९४४
६	१२	श्रावण शुक्ल, जुलाई	२४७०	२००१	१९४४
७	१-२	भाद्र०-आश्विन, अगस्त-सितम्बर	,,	,,	१९४४
७	३-४	कार्त्तिक-मार्गशीर्ष अक्टूबर-नवम्बर	२४७१	२००१	१९४४
७	५-६	पौष-माघ दिसम्बर-जनवरी	,,	,,	१९४४-४५
७	७-८	फाल्गुन-चैत्र, फर०-मार्च	२००१-२	,,	१९४५
८	२	फरवरी			१९४६
८	३	—	—	—	—
८	४-५	—	—	—	—
८	१०-११	मार्च-अप्रैल	२४७३	२००४	१९४७
८	१२	आश्विन, अक्टूबर	२४७३	,,	१९४७

(वर्ष ८ के **मास-सम्बन्धी अनियमित उल्लेख** के कारण का निर्देश इसी अंक (अक्टूबर १९४७) के आवरण पृष्ठ २ पर किया गया है।)

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

वर्ष	किरण	मास	वीर नि० सं०	वि० सं०	ई० सन्
९	१	—	—	—	—
१४	६	माघ, जनवरी	२४८३	२०१३	१९५७
२८	१	महावीर निर्वाण विशेषांक	२५०१	२०३२	१९७५
४६	२	अप्रैल-जून	२५१८	२०५०	१९९३

२. **जिनभाषित** (मासिक) मई २००३—सम्पादक : प्रो० रतनचन्द्र जैन, भोपाल, म०प्र०। प्रकाशक—सर्वोदय जैन विद्यापीठ, १/२०५, प्रोफेसर्स कॉलोनी, आगरा (उ०प्र०)।

३. **जैन सिद्धान्त भास्कर** (भास्कर) मासिक

भाग	किरण	मास	ई० सन्
९	१	जून	१९४२
१०	२	जुलाई	१९४३
११	१	जून	१९४४
१३	२	—	—
२३	२	—	—

४. **जैनहितैषी** (मासिक)—सम्पादक और प्रकाशक : श्री नाथूराम प्रेमी।

भाग	किरण	मास		ई० सन्
६	७-८	वैशाख-ज्येष्ठ	२४३७	१९१०
७	९	आषाढ़	२४३७	१९१०
७	१०-११	श्रावण-भाद्र	२४३७	१९१०
८	२	मार्गशीर्ष	२४३८	१९११
११	१०-११	श्रावण-भाद्र	२४४१	१९१४

५. **धर्ममंगल** (मासिक), १६ मई १९९७ - सम्पादिका : प्रा० सौ० लीलावती जैन। ४/५, भीकमचंद जैननगर, जलगाँव (महाराष्ट्र)।

६. **प्राकृतविद्या,** जनवरी-मार्च १९९६-सम्पादक : डॉ० सुदीप जैन । (प्राकृत भवन), १८-बी, स्पेशल इन्स्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली-११००६७।

७. **शोध** (साहित्य-संस्कृति-गवेषणा-प्रधान पत्रिका), अंक ५/१९८७-८८ ई०- सम्पादक : डॉ० बनारसीप्रसाद भोजपुरी एवं डॉ० राजाराम जैन। नागरी प्रचारिणी सभा आरा (भोजपुर, बिहार)। अंक १२-१३ (संयुक्तांक)/ई० सन् १९९९-२०००, २०००-२००१। सम्पादक : प्रो० (डॉ०) राजाराम जैन।

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक टस्ट, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

८. **शोधादर्श**—४८, नवम्बर २००२ ई०—प्रधान सम्पादक : श्री अजितप्रसाद जैन। सहसम्पादक : श्री रमाकान्त जैन। प्रकाशक : तीर्थंकर महावीर स्मृति केन्द्र समिति, उ० प्र०, पारस सदन, आर्यनगर, लखनऊ २२६ ००४।

९. **श्रमण** (त्रैमासिक शोध पत्रिका—सम्पादक : प्रो० सागरमल जैन। पार्श्वनाथ विद्यापीठ वाराणसी)।

— १. अक्टूबर-दिसम्बर १९९७ ई०।

— २. जुलाई-दिसम्बर २००५ ई०।

— ३. अप्रैल-जून २००६ ई०।

English Journals

1. Bombay University Journal, May 1933. (Yāpanīya Saṇgh, A Jaina Sect : Dr. A.N. Upadhye)

2. The Indian Antiquary : A Journal of Oriental Researeh in Archaeology, History, Literature, Languages, Philosophy, Religion, Folklore etc.

— 1. Vol. XIV, January 1885.

— 2. Vol. XX, October 1891.

— 3. Vol. XXI, March 1892.

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)

फोन : 0731-2571851 मो. : 8989505108 e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in